राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,१जनवरी २०२१ वर्ष-३, अंक -३३३ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नए साल के जश्न को लेकर कोरोना की पाबंदियां

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों में स्थानीय प्रशासन ने कोरोना के बीच नववर्ष के जश्न को लेकर सख्त नियम लागू किये हैं। ऐसा भीड़ को जुटने से रोकने के लिए किया गया है, ताकि महामारी और न फैले। इसके तहत महाराष्ट्र में होटल, रेस्तरां, पब और बार 31 दिसंबर को रात 11 बजे तक ही खोलने की इजाजत होगी।

महाराष्ट्र में क्या हैं नियम

महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने बुधवार को मीडिया को बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर पांच से ज्यादा लोगों के जुटने पर प्रतिबंध रहेगा लेकिन (रात्रि कर्फ्यू के मद्देनजर रात में 11 बजे के बाद) दवा खरीदने और रिश्तेदारों, दोस्तों के घर जाने के लिए बाहर निकलने पर पाबंदी नहीं होगी। अधिकारियों को पहाड़ी पर्यटन स्थलों पर महामारी संबंधी पाबंदियों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा गया है क्योंकि नववर्ष पर बड़ी संख्या में वहां लोग आ सकते हैं। उन्होंने लोगों से दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की।

दिल्ली में लागू रहेगी सख्ती

नए साल की पूर्व संध्या से लेकर एक जनवरी तक दिल्ली में सख्ती लागू रहेगी। रेस्टूरेंट, बार और होटलों में 50 फीसदी सीटिंग कैपिसिटी से ही लोगों की एंट्री होगी। साथ ही रात दस बजे के बाद अनुमति वाले इलाकों में ही सीमित आवाज में लाउडस्पीकर बजाने की अनुमति होगी। शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर पुलिस का सख्त पहरा होगा। दिल्ली में किसी भी व्यक्ति का ब्लड टेस्ट कराया जा सकता है, इस दौरान 15 हजार पुलिस वाले ड्यूटी पर रहेंगे।

मध्य प्रदेश में क्षमता से आधे लोगों को प्रवेश- मध्यप्रदेश के शिवपुरी में नव वर्ष के अवसर पर कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन न करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में आज नाइट कर्फ्यू

राजधानी में कहां और कैसे मनाएं नए साल का जश्न

नई दिल्ली। दिल्ली में नए साल के जश्न पर कोरोना वायरस ने भंग डाल दिया है। दिल्ली में आज और कल नाइट कर्फ्यू रहेगा जिसके चलते एक जगह पर 5 से ज्यादा लोगों के रहने पर पाबंदी रहेगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने यह आदेश जारी किया है।

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कोरोना को देखते हुए राजधानी में नाइट कर्फ्यू लगाया है। जारी आदेश के अनुसार सार्वजनिक स्थान पर 5 से ज्यादा लोग इकट्ठा नहीं हो सकते और ना ही कोई नए साल के जश्न का कार्यक्रम होगा। इसके साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर कोई भी सभा नहीं होगी। बता दें कि आज राज 11:00 बजे से कल सुबह 6 बजे तक और कल रात 11 बजे से 2 जनवरी की सुबह 6 बजे तक दिल्ली में नाइट कर्फ्यू रहेगा।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने भी कसी कमर

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नए साल के मद्देनजर यातायात को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था की है। नए साल के मौके पर इंडिया गेट पर भारी भीड़ इक्ठा होती है। इस दौरान पैदल लोगों की भीड़ बढ़ने पर सुबह दस बजे से ही इंडिया गेट के कई रास्ते पर वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाएगा। इस बीच वाहनों को सी-हैक्सागोन, इंडिया गेट क्षेत्र से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

इन मार्गों पर रहेगा रूट डाटवर्ट

क्यू प्वाइंट, एमएलएनपी गोलचक्कर, सुनहरी मस्जिद गोलचक्कर, जनपथ गोलचक्कर, राजपथ, रफी मार्ग, विंडसर प्लेस गोलचक्कर, राजेंद्र प्रसाद रोड-जनपथ, केजी मार्ग- फिरोजशाह रोड, मंडी हाउस, मथुरा रोड-पुराना किला रोड, मथुरा रोड-शेरशाह रोड, एसबीएम-जाकिर हुसैन मार्ग, एसबीएम-पंडारा रोड आदि।

प्रमुख जगहों पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती- नए साल की पूर्व संध्या पर साकेत, ग्रेटर कैलाश, लाजपत नगर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, हौज खास, डिफेंस कॉलोनी, वसंत विहार, आरके पुरम, नेहरू प्लेस, द्वारका पालम एयरपोर्ट, राजौरी गार्डन, अशोक विहार, मॉडल टाउन एरिया, आदि जगहों पर ट्रैफिक पुलिस तैनात रहकर यातायात संचालन करेगी।

दिल्ली मेट्रो ने जारी की गाइडलाइन

नए साल की पूर्व संध्या (31 दिसंबर) पर भीड़भाड़ को कम करने के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने नई गाइडलाइंस तैयार की है। डीएमआरसी की नई गाइडलाइंस के मुताबिक, गुरुवार रात 9 बजे के बाद राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी। डीएमआरसी ने यात्रियों को गाइडलाइंस के अनुसार ही यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी है।

- राजधानी दिल्ली में नाइट कर्फ्यू का ऐलान
- 31 दिसंबर और 1 जनवरी को नाइट कर्फ्यू
- कोरोना के मामलों के चलते लिया गया फैसला

नए साल में रेल यात्रियों को नई सौगात

नई दिल्ली। भारत में ट्रेन का सफर आसान नहीं होता। टिकट बुकिंग से लेकर सीट कंफर्म तक यात्रियों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। टिकट बुकिंग को और आसान बनाने के लिए इंडियन रेलवे की ओर से 31 दिसंबर को यानि आज IRCTC की नई वेबसाइट लॉन्च की जाएगी। यानि नए साल में नई वेबसाइट की सौगात में मिलेगी। रेल मंत्रालय का कहना है कि IRCTC वेबसाइट और ऐप के अपग्रेड हो जाने के बाद यात्री पहले के मुकाबले अधिक तेजी से टिकट बुक कर सकेंगे। गौरतलब है कि दोपहर 12 बजे रेल मंत्री पीयूष गोयल IRCTC की नई वेबसाइट को लॉन्च करेंगे। नए रंग रूप में लाई जा रही इस नई वेबसाइट में ज्यादा बेहतर फीचर्स होंगे। वहीं कहा रहा है कि ये वेबसाइट अधिक लोड पड़ने पर भी हैंग नहीं होगी। इधर, वेबसाइट के रेवेन्यू के लिए इसमें पहले से अधिक विज्ञापन होंगे। वहीं एक मिनत में 10 हजार से ज्यादा टिकट बुकिंग आम जनता को राहत देगी। फिलहाल एक मिनट में 7500 बुकिंग होती हैं। इससे पहले साल 2018 में IRCTC की वेबसाइट का नया लुक सामने आया था, जो अभी तक चल रहा है। रेलवे की टिकटिंग वेबसाइट इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी)ऑनलाइन यात्री आरक्षण की सुविधा प्रदान करती है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 2014 के बाद से, टिकट बुकिंग के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने पर एक नया जोर दिया जा रहा है। रेल मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि आईआरसीटीसी वेबसाइट रेलवे के साथ यात्रा करने वाले नागरिकों का पहला संपर्क केंद्र है और यह अनुभव सुविधाजनक होना चाहिए। उन्होंने कहा, नए डिजिटल इंडिया के तहत, अधिक से अधिक लोग अब आरक्षण काउंटरों पर जाने के बजाय ऑनलाइन टिकट बुक करने की ओर बढ़ रहे हैं और इसलिए, आईआरसीटीसी वेबसाइट को लगातार अपने आप को अपग्रेड करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करने की आवश्यकता है।

अब दुनियाभर में बजेगा भारत की ताकत का डंका, आकाश मिसाइल सिस्टम के निर्यात को मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आकाश मिसाइल प्रणाली के निर्यात को बुधवार को मंजूरी प्रदान कर दी। इसके साथ ही निर्यात को तेजी से सुगम बनाने के लिए एक समिति गठित करने का भी निर्णय किया गया। इससे देश को अपने रक्षा उत्पादों को बेहतर बनाने और उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, आत्मनिर्भर भारत के तहत भारत विभिन्न प्रकार के रक्षा उपकरणों और मिसाइलों के निर्माण में अपनी क्षमताओं में वृद्धि कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, आकाश देश की महत्वपूर्ण मिसाइल है और यह 96 प्रतिशत स्वदेशी प्रकृति की है। आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है और इसकी क्षमता 25 किलोमीटर है। उन्होंने कहा कि आकाश का निर्यात प्रारूप वर्तमान में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के साथ तैनात प्रणाली से अलग होगा । राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में आकाश मिसाइल प्रणाली के निर्यात के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई और इसके साथ ही निर्यात को तेजी से सुगम बनाने के लिये समिति गठित करने का भी

निर्णय किया गया। गौरतलब है कि आकाश मिसाइल को 2014 में भारतीय वायु सेना तथा 2015 में भारतीय सेना में शामिल किया गया था। मंत्रालय के बयान के अनुसार, रक्षा सेवाओं में इसके शामिल होने के बाद, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी/रक्षा प्रदर्शनी/एयरो इंडिया के दौरान कई मित्र देशों ने आकाश मिसाइल में अपनी रुचि दिखाई। मंत्रिमंडल की मंजूरी से विभिन्न देशों द्वारा जारी आरएफआई/आरएफपीमें भाग लेने के लिए भारतीय निर्माताओं को सुविधा मिलेगी। इसमें कहा गया है कि अब तक भारतीय रक्षा निर्यातों में पुर्जे/घटक आदि शामिल थे। बड़े उपकरणों का निर्यात न्यूनतम था। मंत्रिमंडल की इस पहल से देश को अपने रक्षा उत्पादों को बेहतर बनाने और उन्हें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी। बयान के अनुसार, आकाश के अलावा अन्य प्रमुख उपकरणों जैसे तटीय निगरानी प्रणाली, रडार और वायु उपकरणों में भी रुचि दिखाई जा रही है। इसमें कहा गया है, ऐसे उपकरणों के निर्यात के हेतु तेजी से अनुमोदन प्रदान करने के लिए, रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की एक समिति गठित की गई है। मंत्रालय ने बताया कि यह समिति विभिन्न देशों के लिए प्रमुख स्वदेशी उपकरणों के निर्यात को अधिकृत करेगी। समिति एक सरकार से दूसरी सरकार द्वारा खरीद सहित विभिन्न उपलब्ध विकल्पों का भी पता लगाएगी।

मुकेश अंबानी नहीं अब चीन का ये कारोबारी है एशिया का सबसे अमीर व्यक्ति

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी को पछाड़कर चीन के वाटर किंग कहे जाने वाले कारोबारी झोंग शानशान एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उनकी नेटवर्थ इस साल 70.9 अरब डॉलर बढ़कर 77.8 अरब डॉलर हो गई है। झोंग शानशान एक निजी अरबपति हैं, जिनके बारे में मीडिया में कम ही चर्चा हुई है। पत्रकारिता, मशरूम की खेती और स्वास्थ्य सेवा जैसे करियर में हाथ

आजमाने के बाद अब वह एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने चीनी प्रौद्योगिकीविदों के एक समूह को गले लगाया है, जिसमें मुकेश अंबानी और जैक मा शामिल हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, इस साल झोंग की दौलत बढ़कर 77.8 बिलियन हो गई है। उनकी दौलत इस साल बहुत तेजी से बढ़ी जिसके कारण वह एशिया के सबसे अमीर कारोबारी बन गए।

नए साल पर ठंड करेगी 'टॉर्चर', शीतलहर की चपेट में उत्तर भारत

नई दिल्ली। देश के उत्तरी राज्यों में शीत लहर जारी रही, जबकि जम्मू सहित कई क्षेत्रों में घना कोहरा छाया रहा, जहां दृश्यता कम होने के कारण नौ उड़ानें रद्द कर दी गईं। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाने से ठंड का प्रकोप बढ़ गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक ठंडी हवाएं चलने से नए साल के शुरू होने से पहले राष्ट्रीय राजधानी में ठिठुरन बढ़ गई है। मौसम विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि हिमालय की तरफ से उत्तर-उत्तरपश्चिमी दिशा की हवाएं बह रही हैं जिससे उत्तर भारत में तापमान में गिरावट आई है। सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि मंगलवार को न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अधिकतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात के समय कोहरा बढ़ने से पालम क्षेत्र में दृश्यता घटकर 50 मीटर रह गई। हालांकि, सुबह 9 बजे दृश्यता का स्तर बढ़कर 400 मीटर हो गया। दिल्ली की वायु गुणवत्ता बुधवार को खराब श्रेणी में दर्ज की गई। शहर का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 290 रहा।

जम्मू में लगातार दूसरे दिन फ्लाइट्स हुई रद्द- लगातार दूसरे दिन घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने की वजह से जम्मू हवाईअड्डे पर बुधवार को 9 उड़ानें रद्द कर दी गईं। हवाईअड्डे के निदेशक प्रभात रंजन बेउरिया ने कहा कि अब तक कोहरे की वजह से दृश्यता कम होने के चलते 9 उड़ानें रद्द की गई हैं। इससे पहले मंगलवार को 17 उड़ानें रद्द की गई थीं और केवल एक ही उड़ान उतर पाई थी। कश्मीर बुधवार को भीषण शीतलहर की चपेट में रहा और समूची घाटी में तापमान शून्य से नीचे दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को हुई बर्फबारी से पहले छाए बादलों की वजह से लगातार दो रात से रात का तापमान जमाव बिन्दु के नजदीक था, लेकिन उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग में यह शून्य से 11 डिग्री नीचे पहुंच गया। उन्होंने कहा कि पर्यटक स्थल गुलमर्ग घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा। कश्मीर इस समय चिल्लई कलां के दौर में है, जिस दौरान 40 दिन तक भीषण सर्दी पड़ती है। इस दौरान तापमान शून्य से नीचे चला जाता है तथा डल झील सहित घाटी के कई इलाकों में जल आपूर्ति लाइन और जलाशय जम जाते हैं। चिल्लई कलां 21 दिसंबर से शुरू हुआ था और यह 31 जनवरी तक चलेगा।

उत्तर प्रदेश में कोहरे और शीतलहर का प्रकोप- उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा और राज्य के कुछ स्थानों पर शीतलहर की स्थिति बनी रही। लखनऊ मौसम कार्यालय ने कहा कि इलाहाबाद मंडल में दिन के तापमान में गिरावट आई है, जबकि राज्य के अन्य मंडलों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। मौसम कार्यालय के पूर्वानुमान में कहा गया कि राज्य में मौसम शुष्क रहने की संभावना है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राज्य के पूर्वी हिस्से में अलग-अगल जगहों पर घना कोहरा छा सकता है।

नई उम्मीद लेकर आएगा नया साल ? एक जनवरी को मिल सकती कोरोना वैक्सीन को मंजूरी

नई दिल्ली। कोरोनारोधी टीके को लेकर अगले साल खुशखबरी मिलेगी। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड्स कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) की सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी (एसईसी) ने बुधवार को बैठक की। इसमें कोवीशील्ड को लेकर सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई), कोवैक्सीन पर भारत बायोटेक ने और फाइजर ने अपनी वैक्सीन पर प्रेजेंटेशन दिए। इसमें टीके के आपातकालीन चिकित्सकीय इस्तेमाल पर कोई फैसला नहीं हो सका। कमेटी की अगली बैठक एक जनवरी को होगी। उसमें कोई बड़ा फैसला होने की उम्मीद की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से कहा गया कि सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी की बैठक में फाइजर की ओर से डेटा पेश करने के लिए और वक्त मांगा गया। इसी तरह सीरम और भारत बायोटेक ने अपनी-अपनी वैक्सीन को लेकर जो डेटा पेश किया था, उसका एनालिसिस किया गया। एक जनवरी को होने वाली अगली बैठक में भी यह सिलसिला जारी रहेगा। सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी जब वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभाव को लेकर दावों से संतुष्ट होगी, तब वह आपातकालीन

इस्तेमाल की मंजूरी देने के लिए सिफारिश करेगी। अंतिम फैसला अपेक्स कमेटी का होगा, जिसमें अलग-अलग मंत्रालयों के सचिव होते हैं।

ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के टीके को भारत में अनुमति का इंतजार - सीरम

वहीं, टीका बनाने वाली प्रमुख कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने कहा कि ब्रिटेन में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 टीके को मंजूरी मिलना एक अच्छी खबर है। अब कंपनी को भारत में अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार है। ब्रिटेन ने बुधवार को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित कोविड-19 टीके को इलाज में इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी। इसका उत्पादन एस्ट्राजेनका कर रही है। ब्रिटेन में फाइजर/बायोटेक के टीके बाद यह दूसरा कोविड-19 टीका है, जिसे इलाज में उपयोग की अनुमति मिली है। एसआईआई के मुख्य कार्याधिकारी अदार पूनावाला ने एक बयान में कहा, यह उत्साह बढ़ाने वाली खबर है। अब उसे भारतीय नियामकों से भी अंतिम अनुमति मिलने का इंतजार है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वार्ता में फिर निराशा

किसान-सरकार के बीच सातवें दौर की वार्ता से भी समाधान नहीं निकलना निराशाजनक है। इस वार्ता से बहुत उम्मीदें जताई जा रही थीं। विज्ञान भवन में आयोजित वार्ता के बीच मंत्रियों ने भी किसानों के लंगर का आनंद लिया, लेकिन कुल मिलाकर समाधान नहीं निकला। अगली वार्ता शायद 4 जनवरी को होगी, तब तक किसानों का आंदोलन तय है। जब राष्ट्रीय राजधानी में तापमान दहाई के आंकड़े से भी नीचे चला जा रहा है, सूर्यदेव की गरमी भी फीकी लग रही है, तब किसानों का सड़कों पर बैठकर आंदोलन करना दुखद और अफसोसजनक है। हम प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसान आंदोलन का ऐसा इतिहास लिख रहे हैं, जो हमें आने वाले दशकों तक शायद अफसोस का एहसास कराता रहेगा। दस्तावेजों में यही लिखा जाएगा कि जब देश नए साल और नए दशक में जाने वाला था, तब किसान राष्ट्रीय राजधानी की सीमा पर सड़कों पर बैठे थे। बहरहाल, बुधवार की वार्ता में सरकार ने कृषि कानूनों पर विचार के लिए एक समिति बनाने का सुझाव रखा है। सरकार पराली और विद्युत संबंधी प्रावधानों व कानून में रियायत के लिए तैयार है। जबकि किसान किसी भी सूरत में तीनों कृषि कानूनों को हटाना चाहते हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के लिए अलग कानून चाहते हैं, लेकिन बुधवार की वार्ता में सरकार निजी क्षेत्र में यह आश्वासन देने के लिए तैयार नहीं दिखी। अब तो आंदोलन के दौरान काल के गाल में समाए किसानों के परिजनों को मुआवजा देने की मांग भी जुड़ गई है और आंदोलन के दौरान दायर मुकदमे वापस लेने की मांग है ही।

हमें ध्यान रखना चाहिए, यह देश किसानों का है और इतिहास गवाह है, जब भी किसान एकजुट हुए हैं, सरकारों को झुकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। देश के जिन राज्यों में किसान एकजुट नहीं हैं, वहां मंडी की व्यवस्था पहले ही समाप्त हो चुकी है। अब यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य का आश्वासन देती है, तो उसे देश के तमाम राज्यों में लागू करने की जरूरत पड़ेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य को न केवल सरकारी मंडी, बल्कि निजी मंडियों के जरिए भी कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है? निजी व्यापारियों और निजी कंपनियों पर किसानों को भरोसा नहीं है, यह हम साफ देख रहे हैं। क्या हमारे देश में ऐसी कोई निजी कंपनी है, जो सामने आकर बोल सके कि हमने किसानों को यथोचित मूल्य दिया है? किसानों के बीच फैला असंतोष सिर्फ सरकार की ही चिंता नहीं है, निजी कंपनियों को भी अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। कृषि प्रधान देश में कृषि उत्पाद संबंधी निजी कंपनियों का रिकॉर्ड अच्छा होता, तो किसान क्यों सड़कों पर बैठते?

इसका कतई यह अर्थ नहीं कि किसानों को निजी कंपनियों को निशाना बनाना चाहिए। जिस तरह से पंजाब में असंख्य मोबाइल टॉवर को नुकसान पहुंचाया गया है, उसकी कोई प्रशंसा नहीं करेगा। बहरहाल, यह भविष्य के लिए संकेत है कि निजी कंपनियों को ज्यादा संवेदनशील होकर किसानों से व्यवहार करना चाहिए। हर जगह किसानों को दबाया नहीं जा सकता, पर किसान आंदोलन को रास्ता दिखाने की जो सियासी कोशिशें हो रही हैं, उसकी भी निंदा होनी चाहिए। किसान और सरकार, दोनों पक्षों को अपनी-अपनी बात पर अड़े रहने के बजाय बीच का रास्ता निकालना चाहिए और परस्पर विश्वास-सम्मान का भाव रखते हुए आरोप-प्रत्यारोप में शालीनता बरतनी चाहिए।

आकर्षक निवेश गंतव्य

दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम एशिया के उप-भाग में भारतीय अर्थव्यवस्था कोविड-19 के प्रकोप के बाद 'सबसे अधिक लचीली' साबित हो सकती है। यह निष्कर्ष निकाला गया है संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में। रिपोर्ट कहती है कि कोविड-19 के बाद आर्थिक वृद्धि बेशक कम रहेगी लेकिन इसके सकारात्मक होने और भारत के बड़े बाजार के कारण भारत निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बना रहेगा। 'एशिया और प्रशांत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के रुझान और परिदृश्य-2020-21' नाम से यह रिपोर्ट एशिया और प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग ने जारी की है। दरअसल, अभी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तथा निर्माण क्षेत्र में ज्यादा आ रहा है। बहुराष्ट्रीय उद्यम सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं से संपन्न स्थानीय डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र में निवेशकर रहे हैं। खास तौर पर ई-कॉमर्स में काफी अंतरराष्ट्रीय निवेश आया है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि 2025 तक सूचना प्रौद्योगिकी और व्यवसाय प्रबंधन, डिजिटल संचार सेवाओं और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण जैसे मुख्य डिजिटल क्षेत्र का आकार दोगुना हो सकता है। कोविड-19 पर अंकुश के लिए लॉकडाउन की वजह से दुनिया के तमाम देशों की अर्थव्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, लेकिन भारत अपने तीन सकारात्मक पहलुओं के बल पर आर्थिक पुनरुत्थान के रास्ते पर आगे बढ़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बा के मुताबिक, ये तीन पहलू हैं-ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, मजबूत संघवाद और विशाल उपभोग आधार। दरअसल, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार के समक्ष आगामी महीनों और वर्षों में आ सकने वाली चुनौतियां स्पष्ट है। चुनौतियां ये कि-अर्थव्यवस्था को मजबूत वृद्धि की राह पर लाना है; कि-सुनिश्चित करना है कि वृद्धि समावेशी हो; कि-कम आय वर्ग के परिवारों को भी तेज वृद्धि का लाभ मिले। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मनरेगा ने एक बार फिर अपनी सार्थकता साबित की है। इसकी जब ज्यादा जरूरत थी, तब इससे काफी मदद मिली। महामारी का प्रकोप शुरू होते ही सरकार ने महिलाओं, पेंशनभोगियों और किसानों के हाथ पैसा पहुंचाने की तत्परता दिखाई उससे भी आर्थिक गतिविधियां ज्यादा शिथिल नहीं पड़ने पाइफा सो, आगामी समय बेहतरी का संकेत दे रहा है।

कटाक्ष/ सहीराम

याद तो आएगा

वैसे तो यह नव वर्ष के स्वागत में नाचने गाने का दिन है, लेकिन दिल्ली की सीमाओं पर खुले आसमान के नीचे कड़कडवती ठंड में बैठे लाखों-लाख किसानों को अनदेखा कर नाचने-गाने वालों के लिए फिलहाल तो वही बात कही जा सकती है, जो इस गम भरी दुनिया में हंसने वाले के लिए कही जाती है कि या तो दीवाना हंसे या तू जिसे तौफीक दे। फिलहाल तो जाने वाले वर्ष को याद कर लें क्योंकि उसे विदाई देना भी तो बनता ही है। तो जी, वर्ष दो हजार बीस ट्वंटी-ट्वंटी की तरह तो याद नहीं आएगा। उस बिछड़ी प्रेमिका की तरह तो कतई याद नहीं आएगा कि जिसे याद कर फिल्मी हीरो अनायास गाने लगता है कि तुझे हम भुला ना पाएंगे। अलबत्ता गब्बर सिंह स्टाइल में लोग दांत पीसते हुए यह जरूर कहते हुए मिल जाएंगे-तुझे तो मैं याद रखूंगा। एक दर्द भरी टीस है तो दूसरी प्रतिशोध की याद। हालांकि वक्त से कौन प्रतिशोध ले सकता है। खैरग यह साल याद तो बहुत आएगा। उस तरह नहीं जैसे उस वक्त को याद किया जाता है कि कभी हमारा देश सोने की चिडिय्या थाग बल्कि उस तरह याद किया जाएगा कि कभी हमारा देश गुलाम था।

खैर, अच्छी बात यह है कि आंदोलन से शुरू हुआ यह वर्ष आंदोलन के साथ खत्म हो रहा है। वर्ष शुरू हुआ था हिंदू-मुसलमान के बंटवारे पर और खत्म हो रहा है हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई की एकता पर। शुरू हुआ था-गोली मारो सालों को के नारों के साथ और खत्म हो रहा है-पुचकार लो किसानों को की तजवीजों के साथ। वर्ष की शुरुआत भी कानूनों की खिलाफत से हुई थी और अंत भी कानूनों की खिलाफत से ही हो रहा है। जिस आंदोलन से वर्ष की शुरुआत हुई थी, वह खत्म हुआ था-कोरोना के कारण। जिस आंदोलन के साथ वर्ष खत्म हो रहा है, उसने कोरोना की परवाह ही नहीं की। वह आंदोलन कोरोना से डर गया था या उसे डरा दिया गया था, लेकिन इस आंदोलन से खुद कोरोना डर गया। खैरग जिस आंदोलन के साथ वर्ष की शुरुआत हुई, उसे चलाने वालों पर देशद्रोही होने का आरोप लगा था तो जिस आंदोलन के साथ वर्ष की समाप्ति हो रही है, उस पर भी देशद्रोही होने का आरोप लग रहा है। उस आंदोलन को चलाने वाले मुसलमान नहीं थेग तो इस आंदोलन को चलाने वाले किसान नहीं हैं।

बढ़ती ताकत से उभरता भारत

वी पी मलिक

इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था, विज्ञान-तकनीक, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करने की उसकी क्षमता और सुरक्षा व क्षेत्रीय अखंडता को सुनिश्चित करने की उसकी ताकत लगातार बढ़ी है। देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर बेशक 2019 में 5.02 फीसदी हो गई, मगर आज भी जीडीपी का करीब 10 फीसदी हिस्सा हम सामाजिक-आर्थिक पैकेज के तौर पर जरूरतमंदों के ऊपर खर्च करते हैं। भारत नियमित रूप से अंतरिक्ष अभियानों को अंजाम दे रहा है, और दक्षेस व तमाम देशों के लिए न सिर्फ उपग्रह लॉन्च कर रहा है, बल्कि उन्हें अपनी अंतरिक्ष सुविधाओं से फायदा भी पहुंचा रहा है। इससे हमारी आमदनी भी बढ़ी है। तकनीक और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तो 'ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स' के शीर्ष 50 देशों में हम पहली बार शामिल हुए हैं।

इन सबमें रक्षा क्षेत्र की तरक्की का जिक्र खास है। रक्षा खर्च के मामले में तीसरा बड़ा देश और सशस्त्र बल के मामले में चौथा बड़ा मुल्क भारत एक प्रमुख क्षेत्रीय ताकत, परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र, एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति और एक संभावित महाशक्ति है। 14 लाख से अधिक स्वैच्छिक और सक्रिय सैनिकों की तादाद के साथ यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य बल भी है। ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट, 2020 के मुताबिक, भारत के पास विश्व की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। कारगिल युद्ध में सेना की कमान संभालने के दौरान मुझे यह एहसास हुआ था कि हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारे सैनिकों और उनके नेतृत्व की बहादुरी, समर्पण और देशभक्ति है। परमाणु ताकत से संपन्न हमारा सशस्त्र बल लगातार आधुनिक बन रहा है।

इस साल हमने देखा है कि किस तरह रणनीतिक मामलों में हमारी राजनीतिक इच्छाशक्ति बदली है, ताकि विरोधी ताकतों से कहीं मजबूती से मुकाबला किया जा सके। सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट हवाई अभियान और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय सफलता इसका स्पष्ट प्रमाण है। भारत-चीन सीमा पर डोका ला और अब पूर्वी लद्दाख में भी हम इस रणनीतिक बदलाव को महसूस कर रहे हैं। इतना ही नहीं, भारत ने ऐसे अभियान की शुरुआत की है, ताकि रक्षा उपकरणों को देश में ही बनाया जा सके और इनके आयात पर हमारी निर्भरता कम हो। उल्लेखनीय है, रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातक देशों में एक भारत भी है।

भारत क्षेत्रफल के आधार पर दुनिया का सातवां सबसे बड़ा देश है। भू-रणनीतिक रूप से यह दक्षिण एशिया और हिंद महासागर के आसपास के इलाकों में प्रभावी भूमिका में है। इसकी ताकत यहां की संसद, न्यायपालिका, चुनाव आयोग, मीडिया और सशस्त्र बल हैं। प्राचीन संस्कृति, पर्याप्त मात्रा में प्रतिभाशाली मानव संसाधन और विशाल प्राकृतिक संसाधन भी इसे खासा मजबूत बनाते हैं। ऐसे में, स्वाभाविक रूप से कुछ देशों की नजरों में हम चढ़े हुए हैं। चीन और पाकिस्तान ऐसे ही देश हैं, जो बार-बार हमारी राहों में मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश करते रहते हैं। साल 2019 को तो चीनी आक्रामकता और भारत की दृढ़ता के लिए विशेष रूप से याद किया जाएगा। केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि गुजर रहे पूरे दशक में ये दोनों राष्ट्र हमारी चिंता के कारण रहे हैं। अब जब यह साल और दशक बदल रहा है, तब देश के आम लोगों के मन में यही सवाल है, क्या अगले दशक में भी हमें इनसे समान चुनौतियां मिलती रहेंगी?

> इसमें कोई संदेह नहीं कि पिछले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था, विज्ञान-तकनीक, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करने की उसकी क्षमता और सुरक्षा व क्षेत्रीय अखंडता को सुनिश्चित करने की उसकी ताकत लगातार बढ़ी है।

मेरा मानना है कि अगले साल भी दोनों राष्ट्रों के साथ हमारी लंबी और विवादित सीमा, दोनों देशों की नीतियां चुनौती बनी रहेंगी। इसका अर्थ है, पाकिस्तान की जेहादी आतंकवादी नीतियां और चीन द्वारा भारतीय सीमा पर व हिंद महासागर में अपनाई जा रही विस्तारवादी नीतियां हमारे लिए मुश्किलें पेश करती रहेंगी। हालांकि, आंतरिक सुरक्षा के मोर्चे पर भी हमें पूरा ध्यान देना होगा। देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग मत के राजनीतिक, अलगाववादी और राष्ट्र-विरोधी तत्व बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं।

जाहिर है, हमें सुरक्षा के मोर्चे पर खुद को और अधिक मजबूत बनाना होगा। अपनी रक्षा योजना में भी सुधार करना होगा। रक्षा क्षमताओं में बेहतरी के लिए हमें दीर्घकालिक प्रयास भी लगातार करने होंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि जब हमारे सामने मुश्किलें आएं, तभी हम उनके समाधान की कोशिश करें। हमारा रक्षा आवंटन बहुत कम प्रतीत होता है, खासकर भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर। लिहाजा हमें अपनी रक्षा जरूरतों पर कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का तीन फीसदी हिस्सा खर्च करना चाहिए। यह देखना सुखद है कि सरकार ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाए हैं, मगर इसे और गति देने की आवश्यकता है।

वैसे, इस दौर में कुछ सबक हम देशवासियों को भी सीखना चाहिए। राष्ट्र के साथ-साथ निजी विकास को लेकर भी काफी काम किए जाने की जरूरत है। हमें जो सीखने की जरूरत है, वह है अनुशासन, सकारात्मक सोच, कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ काम करने की इच्छाशक्ति। इसमें देश के नौजवानों से ढेर सारी उम्मीदें हैं। उन्हें एकजुटता दिखानी चाहिए और दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराना चाहिए।

कुछ प्रयास देशभक्ति बढ़ाने के भी होने चाहिए। 'वोट बैंक की राजनीति' हमारे समाज व मुल्क को न जाने किन-किन रूपों में बांटती रही है। हमारे सियासी रणनीतिकार 'सोशल इंजीनियरिंग' की दुहाई देते हैं। इसके बरअक्स, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विकास पर कम ध्यान दिया जाता है। इसमें संतुलन आवश्यक है। हमारे बच्चों और नौजवानों में राष्ट्रवाद की भावना बढ़ानी होगी और उन्हें राष्ट्र निर्माण के महत्व से परिचय करवाना होगा। एनसीईआरटी की किताबें व छात्र-छात्राओं के लिए राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम हमारी स्कूली और कॉलेज शिक्षा को इस दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। एनसीसी और इसकी जैसी अन्य इकाइयां इसमें बहुत उपयोगी भूमिका निभा सकती हैं। इनको और प्रोत्साहित करने की जरूरत है। आगामी दशक में देश को सशक्त बनाने के लिए हमें राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीकों, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय उपलब्धियों को अधिक महत्व देना चाहिए। धार्मिक व क्षेत्रीय आयोजनों की तुलना में राष्ट्रीय कार्यक्रमों को अधिक प्राथमिकता देनी चाहिए। अगर इन सभी उपायों को हमने अपनी नीतियों में जगह दी, तो निश्चय ही आने वाले समय में हम कहीं अधिक मजबूती से विश्व मंच पर आसीन हो सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एयर इंडिया व बीपीसीएल

निजीकरण की ओर निर्णायक कदम

सुषमा रामचंद्रन

आखिरकार कुछ गलत शुरुआत के बाद लगता है कि एयर इंडिया को बेचने का काम सही दिशा में और सचमुच पूरा होने को है। मोदी सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बेचने का यह कोई पहला उदाहरण नहीं है, किंतु एयर इंडिया सबसे नामचीन सरकारी कंपनी है। इसके अलावा तेल शोधन और विक्रेता कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बिक्री का कार्य भी परिणति की ओर बढ़ गया है। परंतु पिछले सालों में जिस प्रकार मोदी सरकार ने अनेक मर्तबा सरकारी कंपनियों को बेचने की मंशा जाहिर की है, उसके तहत यह तो आरंभिक कदम है।

सनद रहे, वाजपेयी सरकार ने निजीकरण का जो दौर शुरू किया था, उसकी बराबरी करने में उनके बाद आई कोई सरकार, यहां तक कि मौजूदा मोदी प्रशासन भी, कहीं आसपास नहीं ठहरते। आर्थिक सुधारों के पुरोधा डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने के बावजूद यूपीए सरकार ने विनिवेश के काम पर रोक लगा दी थी। वाजपेयी के वक्त भी अरुण जेतली देश के पहले विनिवेश मंत्री बने थे, हालांकि यह उनके बाद आए अरुण शौरी ही थे, जिन्होंने दरअसल कई कंपनियों के निजीकरण का काम सिरे चढ़ाया था। यह अपेक्षाएं तब और भी बढ़ गईं, जब प्रधानमंत्री मोदी ने कई साक्षातकारों में कहा था : 'काम-धंधा करना सरकार का व्यवसाय नहीं है।'

हालांकि मोदी सरकार ने हाल तक विनिवेश के सालाना ध्येय की पूर्ति हेतु केवल कुछ कंपनियों में अपनी छुटपुट हिस्सेदारी बेचकर काम चलाया है। यूपीए सरकार ने भी अपने वक्त में वित्तीय स्रोत जुटाने वाले लघु कालीन ध्येय प्राप्ति की खातिर कई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अपनी हिस्सेदारी कम की थी। पर एनडीए सरकार ने एक कदम आगे जाकर मुनाफा कमाने वाली एक सरकारी कंपनी से दूसरे सरकारी उपक्रम के शेयर खरीदवाए।

उदाहरणार्थ ओएनजीसी को हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 36,015 करोड़ मूल्य के शेयर खरीदने को कहा गया। परंतु एक भी सरकारी कंपनी का पूरी तरह निजीकरण मोदी के कार्यकाल में अब तक नहीं हो पाया था। यह उन लोगों के लिए मायूसी का बायस था जो मौजूदा सरकार से बड़े स्तर के आर्थिक सुधारों की आस लगाए बैठे थे, क्योंकि संसद में भारी बहुमत की वजह से यह कर पाना बहुत सहज है।

लेकिन अब इस परिदृश्य में बदलाव हो सकता है क्योंकि एयर इंडिया और बीपीसीएल की बिक्री बस होने को है और यह घाटे में चल रही अन्य कई सरकारी कंपनियों से छुटकारा पाने की दिशा में पहला कदम हो सकता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मार्च 2019 तक ऐसी कंपनियों का कुल घाटा लगभग 31000 करोड़ छू गया था। 23 ऐसी कंपनियों की बिक्री को कैबिनेट ने इस साल के शुरू में हरी झंडी दिखा दी थी। इसमें स्कूटर इंडिया जैसे निष्क्रिय पड़े उपक्रम भी शामिल हैं, जिन्हें बेचने की सिफारिश राजीव गांधी सरकार के वक्त भी हो चुकी थी।

सवाल यह है कि इन कंपनियों का वजूद इतने लंबे समय तक आखिर रह कैसे पाया? निःसंदेह यह एक महत्वपूर्ण पहलू है, किंतु निजीकरण की राह में इस विषय पर पार पाना ही होगा। हालांकि इस समस्या का समाधान उन्हें सामाजिक सुरक्षा, मसलन, व्यावहारिक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजनाएं इत्यादि देकर किया जा सकता है। उदाहरणार्थ बीएसएनएल कर्मियों को दिया गया पैकेज इतना सफल रहा है कि वहां अनुपादक श्रेणी में आने वाले कर्मियों की संख्या में बहुत कमी आई है, जिससे कंपनी को पुनर्जीवित करना आसान हो पाएगा। एयर इंडिया और बीपीसीएल कर्मियों के मुद्दे को अलहदा तरीकों से निपटना पड़ेगा क्योंकि दोनों की परिस्थिति बिल्कुल विपरीत है। जहां एयर इंडिया पर 60000 करोड़ का कर्ज है, वहीं बीपीसीएल मुनाफा बनाने वाला उपक्रम है, जिसके पास तेल संबंधी बाजार के 22 फीसदी शेयर हैं। पर एयर इंडिया की बिक्री को विगत में नजरअंदाज किया जाता रहा है क्योंकि एक राष्ट्रीय वायुसेवा कंपनी को निजी हाथों में बेचने का मतलब है, देश की साख को बट्टा लगना। सनद रहे कि 'मुकुट में जड़ी इस मणि' को बेचने का काम वर्ष 2018 में विफल हो चुका है। मौजूदा सरकार भविष्य में पेट्रोलियम की खपत और मांग नीचे की ओर ले जाने के मद्देनजर सरकारी तेल कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी धीरे-धीरे कम करना चाहती है। पर्यावरण बदलाव का मुद्दा और इसके बचाव की खातिर वाहनों को बैटरी-व्हीकल में तबदील करने की जरूरतों ने पहले ही पेट्रोलियम की भावी मांग पर सवाल खड़े कर रखे हैं। मौजूदा वित्तीय वर्ष में एयर इंडिया और बीपीसीएल की बिक्री होने से सरकार को 2020-21 अवधि में 2.1 लाख करोड़ रुपये प्राप्ति का ध्येय पाने में मदद मिलेगी। परंतु सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि एनडीए सरकार अंततः सार्वजनिक उपक्रमों के चिरपरीक्षित निजीकरण की ओर चल निकली है। इस देरी में एक बड़ा अवयव आरएसएस संबंधित राष्ट्रीय कर्मचारी संघ का प्रतिरोध भी था, जो निजीकरण योजना के सख्त खिलाफ था परंतु राजनीतिक दबावों को दरकिनार करते हुए आर्थिक सुधार लागू करने ही होंगे।

ऑनलाइन शिक्षा

बच्चों और शिक्षकों की व्यथा

अमिताभ श्रीवास्तव

क्या चार साल के एक बच्चे को पढ़ाना चाहिए कि मूली या प्याज या आलू जमीन के अंदर उगते हैं, या ऊपर। तो बहुत से लोगों को इस तरह का ज्ञान बांटना फालतू लगता होगा। लेकिन मैं उनसे थोड़ा अलग विचार रखता हूं क्योंकि जब बचपन में चंदामामा में राजकुमार सिद्धार्थ (जो बाद में महात्मा बुद्ध हुए) की कहानी पढ़ रहा था तो उसमें यह पढ़ कर बड़ी हंसी आई थी कि जब उनसे पूछा गया कि चावल कहां से आते हैं, तो उन्होंने कहा 'थाली से'। लेकिन बस। इससे ज्यादा नहीं। इतने छोटे बच्चों को यह सिखाना कि बैगन या आलू से क्या-क्या व्यंजन बन सकते हैं, और उन्हें कैसे काटा जाता है तो बंदर के हाथ में उस्तरा देने जैसा खतरनाक है। क्या हम अपने नौनिहालों से अब रसोई में जाकर गैस जलाने और चाय बनाने को कहेंगे क्योंकि लॉकडाउन में स्कूल बंद हैं?

लेकिन यह हो रहा है और हम सबके घरों में हो रहा है क्योंकि स्कूल वालों से पंगा लेने की किसी में हिम्मत नहीं है। पता नहीं कि वो हमारे बच्चे को क्या रैंकिंग दे दें। हमारी बेटी, पोती या नाती को श्रीमती गुप्ता या श्री मिश्रा की लड़की से कम नम्बर मिल गए तो। कितनी इंसल्ट हो जाएगी। बात में दम तो है। हमारे समय तो मैट्रिक के बाद भी पिताजी सबके सामने दो झापड़ भी लगा देते थे और रोने पर एक और पड़ता था। पर ये बच्चे! बाप रे बाप! उनकी सहेलियों या दोस्तों के सामने किसी बात के लिए मना भी कर दिया तो बगावत। खैर, बात हो रही है ऑनलाइन पढ़ाई की जो कोरोना के कारण पिछले कुछ महीनों से छोटे बच्चों के लिए जी का जंजाल बनी हुई है। पांच साल से छोटे बच्चों, जो मार्च से स्कूल नहीं गए, अपनी टीचर की शक्ल नहीं देखी, अपनी क्लास के बच्चों से नहीं मिले हैं, से उम्मीद करना कि टीचर को फोन या लैपटॉप पर देख कर उनके हर सवाल का सही जवाब देंगे तो यह सदी का सबसे बड़ा अत्याचार होगा।

मैं कुछ बच्चों को जानता हूं जो ऑनलाइन पढ़ाई की वजह से आत्मविश्वास पूरी तरह खो चुके हैं। कुछ बच्चे, जिन्होंने अभी-अभी बोलना शुरू किया था, अब तुतलाने लगे हैं और 40 मिनट स्क्रीन के सामने एक अनजान टीचर के सामने बैठने को राजी नहीं हैं। कुछ अभिभावकों ने इस प्रथा को बंद करने के लिए हस्ताक्षर अभियान भी चलाया लेकिन इस पर ज्यादा समर्थन नहीं मिल पाया क्योंकि ज्यादातर लोगों को मालूम है कि स्कूल में एडमिशन एवरेस्ट की चढ़ाई से कहीं अधिक कष्टदायक है। बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधेगा? ऐसा नहीं है कि ये सिर्फ बच्चों के लिए दुःख भरे दिन हैं। टीचरों की हालत तो और बुरी है। उन्होंने बच्चे को संतरा दिखा कर पूछा कि यह क्या है, और वो बड़े विश्वास से कह देता है कि आलू, तो वो गुस्से में चिल्ला नहीं सकती और अपने पूरे मेकअप की मर्यादा रखते हुए मुस्कुरा कर कहना पड़ता है, 'गलत जवाब बेटा ये संतरा है, ऑरेंज, यू नो'। वो भी मजबूर हैं। उनकी सेलरी वैसे ही कम हो गई है, और अगर ऑनलाइन क्लास नहीं हुई तो वो भी खत्म। इसलिए वो भी छोटे-छोटे बच्चों से रोज 40 मिनट तक उनसे बात करने के नये-नये फॉर्मूला ईजाद करती रहती हैं। जब तक दवाई नहीं तब तक ढिलाई नहीं।

दिक्कत यह है कि ऑनलाइन पढ़ाई से सिर्फ छोटे बच्चों का ही नहीं, बड़ी क्लास के बच्चों को भी विशेष फायदा नहीं हो रहा। उनकी दिन में तीन या चार बार क्लास तो होती हैं, लेकिन सिर्फ एकतरफा, जहां बच्चे कहीं भी बैठ कर या सोते हुए भी क्लास अटेंड कर लेते हैं। पता नहीं कि स्कूल वालों ने अपने आप यह फैसला किया या शिक्षा मंत्रालय के आदेश पर। ऑनलाइन क्लासें कभी दिन को होती हैं, कभी रात के 8 बजे। इससे छात्र और टीचर, दोनों परेशान हैं। यह अलग बात है कि इनसे उनको फायदा हो रहा है या नहीं, इसको चेक करने का कोई मापदंड नहीं बनाया गया है।

असल में सरकार खुद नहीं समझ पा रही है कि वो वचरुअल या ऑनलाइन पढ़ाई को कितनी अहमियत देती है। भारत में या शायद दुनिया में पहली बार इस तरह के हालात बने हैं कि इतने दिनों तक लॉकडाउन चला है। एक तरफ तो मिलने-जुलने से बीमारी फैलने का खतरा है और दूसरी ओर सरकार मानने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है कि ऑनलाइन परीक्षा से भी छात्रों की योग्यता की जांच हो सकती है। महाराष्ट्र जैसे कुछ राज्य बोर्ड परीक्षा ऑनलाइन करना चाहते हैं लेकिन केंद्र सरकार और कोर्ट को यह स्वीकार नहीं है। नीट की परीक्षा के मामले में एक बड़ा वर्ग परीक्षा को आगे बढ़ाने के पक्ष में था लेकिन सरकार ने अभ्यर्थियों को बुला उनकी परीक्षा ले कर रिजल्ट भी निकाल दिए। अब वह 31 दिसम्बर को सीबीएसई के बोर्ड की परीक्षा की घोषणा संबंधी तारीख का छात्रों को इंतजार है, और यह परीक्षा ऑनलाइन नहीं होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ईपीएफओ ने 2019-20 के लिए 8.5 प्रतिशत ब्याज अंशधारकों के खातों में डालना शुरू किया

नयी दिल्ली, सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंध करने वाले निकाय ईपीएफओ ने बृहस्पतिवार को छह करोड़ से अधिक अंशधारकों को 2019-20 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (**EPF**) पर 8.5 प्रतिशत की दर से ब्याज का भुगतान शुरू कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के ज्यादातर सदस्य 2019-20 के लिए 8.5 प्रतिशत ब्याज दर के साथ अपने अद्यतन ईपीएफ खातों को देख सकेंगे। अधिकारी ने आगे बताया कि श्रम मंत्रालय ने 2019-20 के लिए ईपीएफ पर 8.5 प्रतिशत ब्याज देने का निर्देश पहले ही ईपीएफओ को भेज दिया था और निकाय ने पिछले वित्त वर्ष के लिए खाताधारकों के खातों में ब्याज जमा करना शुरू कर दिया है। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने कहा, ''हमने कहा था कि 2019-20 के लिए ईपीएफ पर 8.5 प्रतिशत की दर से ब्याज देने की हम कोशिश करेंगे। हमने 2019-20 के लिए ईपीएफ पर 8.5 प्रतिशत का ब्याज देने के लिए एक अधिसूचना जारी की है। हमने अंशधारकों के खातों में ब्याज की उक्त दर को जमा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।'' उन्होंने कहा कि जो सदस्य 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उन्हें 8.5 प्रतिशत ब्याज (2019-20 के लिए) मिलेगा।

बहुमूल्य धातुओं, रत्न विक्रेताओं को रखना होगा 10 लाख रुपये के नकद सौदे का रिकॉर्ड

नयी दिल्ली. बहुमूल्य धातुओं (सर्राफा), रत्न इत्यादि का कारोबार करने वाले कारोबारियों को 10 लाख रुपये मूल्य के नकद सौदे या एक ही ग्राहक के साथ इतनी बड़ी राशि के सौदों का रिकॉर्ड रखना होगा। वित्त मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर कहा कि महंगी धातु और रत्न कारोबारियों के साथ-साथ धनशोधन रोधक अधिनियम (मनी लॉन्ड्रिंग कानून) के दायरे में आने वाले उन रीयल एस्टेट एजेंटों को भी रिकॉर्ड रखना होगा जो 20 लाख रुपये से अधिक का सौदा करते हैं। नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के निदेशक मयंक अरोड़ा ने कहा कि नियमों में इस संशोधन का लक्ष्य कानून की उस कमी को दूर करना है जहां रत्न और आभूषण क्षेत्र में बिना ग्राहक को जाने दो लाख रुपये तक के नकद सौदे करने की अनुमति है। दो लाख रुपये से अधिक की खरीद पर ग्राहक को पैन कार्ड या आधार संख्या बतानी होती है। उन्होंने कहा कि रीयल एस्टेट एजेंट मनी लॉन्ड्रिंग कानून, 2002 के तहत रिपोर्ट करने वाली इकाई माने जाते हैं।

सोने में 235 रुपये की बढ़त, चांदी 273 रुपये तेज

नयी दिल्ली, दिल्ली सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 235 रुपये की तेजी के साथ 49,675 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र के दौरान सोने का भाव 49,440 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 273 रुपये बढ़कर 67,983 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। इससे पिछले दिन यह भाव 67,710 रुपये प्रति किलो था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी दोनों के ही भाव लगभग अपरिवर्तित रहे। ये भाव क्रमशः 1,894 डालर प्रति औंस और 26.52 डालर प्रति औंस रहे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''मिलेजुले वैश्विक संकेतों और महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के अभाव में सोने की कीमतों में सीमित दायरे में घट-बढ़ हुई। महामारी की आशंका को लेकर चिंताओं ने सर्राफा कीमतों की मजबूती को समर्थन प्रदान किया।''

2020 के अंतिम दिन शेयर बाजार ने बनाया रिकॉर्ड, निफ्टी पहली बार 14,000 के पार

मुंबई.
साल के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को प्रमुख शेयर सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लगभग स्थिर बंद हुए। निवेशकों की नजर फिलहाल दुनिया में कोविड-19 का टीका पेश किये जाने पर है। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 5.11 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की हल्की बढ़त के साथ 47,751.33 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स बढ़त के साथ 47753.11 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान ऊंचे में 47,896.97 और नीचे में 47,602.12 अंक तक गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी पहली बार 14,000 के स्तर को पार कर गया। कारोबार के दौरान यह 14,024.85 अंक तक गया। अंत में यह महज 0.20 अंक की गिरावट के साथ 13,981.75 अंक पर बंद हुआ। हालांकि सूचकांक इस साल करीब 15 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 15.7 प्रतिशत जबकि निफ्टी में 14.9 प्रतिशत की तेजी आयी। सेंसेक्स के शेयरों में एचडीएफसी को सर्वाधिक 1.65 प्रतिशत का लाभ हुआ। सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, टाइटन और इन्फोसिस में भी तेजी रही। दूसरी तरफ टीसीएस को सर्वाधिक 1.33 प्रतिशत का नुकसान हुआ। इसके अलावा जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, कोटक बैंक और टेक महिंद्रा शामिल हैं। एशिया के अन्य बाजारों में तोक्यो और दक्षिण कोरियाई बाजार नये साल के अवकाश के मौके पर बंद रहे। आस्ट्रेलिया का एस एंड पी/एएसएक्स 1.4 प्रतिशत नीचे आया जबकि हांगकांग का हैंगसेंग 0.3 प्रतिशत मजबूत हुआ। शंघाई कंपोजिट सूचकांक में 1.2 प्रतिशत की तेजी आयी। विश्लेषकों के अनुसार निवेशकों की नजर दुनिया भर में टीके से संबंधित गतिविधियों पर हैं। चीन की साइनोफार्म नवीनतम कंपनी है जिसने अध्ययन के सकारात्मक परिणाम जारी किये हैं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 25 सेंट मजबूत होकर 51.34 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

जियो के सभी घरेलू कॉल 1 जनवरी से होंगे फ्री

नई दिल्ली।

रिलायंस जियो इंफोकॉम ने घोषणा की है कि वह 1 जनवरी से सभी घरेलू कॉल फ्री कर देगी, क्योंकि सभी घरेलू वॉयस कॉल के लिए इंटरकनेक्ट यूसेज चार्ज (आईयूसी) अब खत्म हो रहे हैं। जियो के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के निर्देशों के अनुसार, 1 जनवरी, 2021 से देश में बिल एंड कीप लागू किया जा रहा है, इससे सभी घरेलू कॉल के लिए इंटरकनेक्ट यूजेस चार्ज (आईयूसी)खत्म हो जाएगा। बयान में कहा गया है, ऑफ-नेट कॉल्स का चार्ज खत्म करने की प्रतिबद्धता पर वापस लौटते हुए जियो इस सुविध को 1 जनवरी 2021 से शुरू करेगा क्योंकि इस दिन से आईयूसी चार्ज खत्म हो जाएगा। इसमें यह भी कहा गया है कि जियो नेटवर्क पर नेट के इस्तेमाल से घरेलू वॉयस कॉल की सुविधा हमेशा से फ्री रही है। सितंबर 2019 में ट्राई द्वारा 1 जनवरी, 2020 के बाद बिल एंड कीप व्यवस्था को लागू करने की समयसीमा बढ़ाई थी तो जियो के पास कोई विकल्प नहीं बचा था। लेकिन उसने अपने ग्राहकों से ऑफ-नेट वॉयस कॉल के लिए चार्ज लेना शुरू कर दिया था। आगे कहा गया, ऐसा करते समय जियो ने अपने उपयोगकर्ताओं को आश्वासन दिया था कि यह शुल्क केवल तब तक जारी रहेगा जब तक ट्राई आयूसी चार्ज खत्म नहीं कर देता। आज जियो ने उस वादे को पूरा किया है और ऑफ-नेट वॉयस कॉल को फिर से फ्री कर किया है। बयान में कहा गया है कि जियो आम भारतीय को वोएलटीई जैसी एडवांस्ड तकनीकों का लाभ देने की अपनी प्रतिबद्धता पर भी कायम है।

मुकेश अंबानी नहीं रहे एशिया के सबसे अमीर आदमी, चीन के इस शख्स ने पछाड़ा

नेशनल डेस्क-

चीन के बिजनेसमैन और बोतल वाटर किंग कहे जाने वाले मशहूर झोंग शानशान (**Zhong Shanshan**) एशिया के सबसे अमीर आदमी बन गए हैं। उन्होंने भारत के उद्योगपति मुकेश अंबानी को पीछे छोड़कर यह स्थान हासिल किया है। इन्होंने चीन के सबसे अमीर व्यक्ति और अलीबाबा के जैक मा को भी पछाड़ दिया है। इस साल जोंग की संपत्ति 70.9 अरब डॉलर बढ़कर 77.8 अरब डॉलर हो गई है। उनकी नेटवर्थ संपत्ति में काफी तेजी वृद्धि हुई, जिसके बाद वह एशिया के 11वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। 12वें स्थान पर मुकेश अंबानी का नाम है। चीन से बाहर उन्हें कम ही लोग जानते थे। लेकिन अब चीन समेत पूरी दुनिया में उनके चर्चे हो रहे हैं। 66 वर्षीय जोंग राजनीति से काफी दूर हैं।

इन 2 वजहों से सफलता मिली

झोंग शानशान को इन 2 वजहों से सफलता मिली है। पहला उनकी कंपनी बीजिंग वेन्टाई बायोलॉजिकल फार्मेसी एंटरप्राइज ने वैक्सीन विकसित की। दूसरा बोतलबंद पानी बनाने वाली नोंगफू स्प्रिंग कंपनी भी उनकी मश्हूर हो गई। जिससे उन्होंने इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। जोंग की वैक्सीन निर्माता कंपनी बीजिंग वानताई बायोलॉजिकल फार्मेसी एंटरप्राइज कंपनी को इस साल अप्रैल में शेयर बाजार में लिस्ट कराया था। इसके एक महीने बाद उन्होंने अपनी वाटर बोतल कंपनी **Nongfu Spring Co** को भी हांगकांग शेयर बाजार में लिस्ट कराया और यह बहुत ही हिट आईपीओ रहा। वाटर बोतल कंपनी का शेयर 155 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुआ था। जोंग की फार्मा कंपनी कोविड-19 वैक्सीन को विकसित कर रही है, जिसकी वजह से उसके शेयरों में तेजी बनी हुई है।

चर्चा के रहने का मुख्य कारण

जोंग शानशन चीन के जेजियांग प्रांत के होंगजोऊ से हैं। उन्होंने पहले एक कंपनी में एप्लाई की तरह काम किया। फिर वे एक अखबार में रिपोर्टर रहे और उसके बाद उन्होंने पानी के कारोबार में एंट्री की। बता दें कि इस समय दुनिया की अमीर लिस्ट को देखें तो उसमें आपको ज्यादातर टेक्नोलॉजी दिग्गज ही मिलेंगे। लेकिन इस अमीर आदमी ने चर्चा के रहने का मुख्य कारण यह है कि वे पानी का कारोबार करते हैं नाकि इलेक्ट्रॉनिक से जुड़ा कोई कारोबार करते हैं।

अप्रैल-अक्टूबर में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 21 प्रतिशत बढ़कर 35.3 अरब डॉलर

नयी दिल्ली.

देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) इक्विटी प्रवाह चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 21 प्रतिशत बढ़कर 35.33 अरब डॉलर रहा। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार एक साल पहले 2019-20 की इसी अवधि में एफडीआई इक्विटी प्रवाह 29.31 अरब डॉलर था। विभाग ने 2020 की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए एक बयान में कहा, ''एफडीआई इक्विटी प्रवाह अप्रैल 2020 से अक्टूबर 2020 के दौरान 21 प्रतिशत बढ़कर 35.33 अरब डॉलर रहा। इससे पूर्व वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 29.31 अरब डॉलर था।'' जिन क्षेत्रों में अधिकतम विदेशी पूंजी प्रवाह आया, उसमें कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर सेवाएं, व्यापार, रसायन और वाहन शामिल हैं। देश में सर्वाधिक निवेश सिंगापुर, अमेरिका, मॉरीशस, नीदरलैंड, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान से आया। बयान के अनुसार डीपीआईआईटी के पास 2020 में आये 26 एफडीआई आवेदनों का निपटान किया गया। विभाग ने कहा कि 554.73 एकड़ क्षेत्र के 84 भूखंड कंपनियों को आबंटित किये गये और इसमें कुल 16,100 करोड़ रुपये का निवेश आया। इन निवेशकों में हायोसुंग (दक्षिण कोरिया), एनएलएमके (रूस), हायर (चीन), टाटा केमिकल्स और अमूल शामिल हैं। डीपीआईआईटी ने कहा कि नौ कंपनियों ने वाणिज्यिक उत्पादन भी शुरू कर दिया है। बयान के अनुसार संयुक्त सचिव स्तर के नोडल अधिकारियों की अगुवाई में परियोजना विकास प्रकोष्ठ (पीडीसी) 29 मंत्रालयों/विभागों में स्थापित किये गये हैं। सभी पीडीसी निवेशकों के साथ बेहतर तालमेल की रणनीति के हिसाब से सुचारू रूप से काम कर रहे हैं। इसमें संभावित निवेशकों की पहचान, रुचि दिखाने वाले निवेशकों के साथ बहु-स्तरीय जुड़ाव, निवेशकों की समस्याओं के समाधान के लिये संबंधित पक्षों के साथ बातचीत, नई परियोजनाओं/प्रस्तावों का विकास तथा मौजूदा निवेश अवसरों को बढ़ावा देना शामिल है। इसके अलावा, 'वन स्टॉप डिजिटल' मंच...केंद्रीय एकल खिड़की प्रणाली... के जरिये कंपनियों को सुविधा और समर्थन देने के लिये एक निवेश मंजूरी प्रकोष्ठ (आईसीसी) का गठन किया जा रहा है। इस मंच की शुरुआत चुनिंदा राज्यों में 15 अप्रैल, 2021 तक किये जाने की योजना है।

एडीबी असम में बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिये 23.1 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा

नयी दिल्ली,

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) असम में बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिये 23.1 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा। इसके तहत 120 मेगावॉट क्षमता की जल विद्युत परियोजना स्थापित की जाएगी। एडीबी और भारत सरकार ने कर्ज समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किये। असम बिजली क्षेत्र निवेश कार्यक्रम के लिये यह कर्ज की तीसरी किस्त है। इस कार्यक्रम को एडीबी निदेशक मंडल ने जुलाई, 2014 में मंजूरी दी थी। कार्यक्रम के तहत ऊर्जा उत्पादन और वितरण व्यवस्था की क्षमता और दक्षता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है ताकि उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंच की स्थिति मजबूत हो। एडीबी की विज्ञप्ति के अनुसार जल विद्युत परियोजना कोपिली नदी पर लगायी जाएगी। इससे 2025 तक 469 गीगावॉट घंटा (जीडब्ल्यूएच) स्वच्छ ऊर्जा की आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। साथ ही ग्रीनहउस गैस कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में सालाना 3.6 लाख टन की कमी आएगी।

पांच से 18 दिसंबर के दौरान बैंकों का ऋण छह प्रतिशत बढ़ा, जमा में 11.3 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई, बैंकों का ऋण 5 से 18 दिसंबर के दौरान 6.05 प्रतिशत बढ़कर 105.49 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान बैंकों की जमा 11.33 प्रतिशत बढ़कर 144.82 लाख करोड़ रुपये रही। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। बीस दिसंबर, 2019 को समाप्त पखवाड़े में बैंकों का ऋण 99.47 लाख करोड़ रुपये और जमा 130.09 लाख करोड़ रुपये थी। इस साल चार दिसंबर को समाप्त पखवाड़े में बैंकों का ऋण 5.73 प्रतिशत बढ़कर 105.04 लाख करोड़ रुपये पर था। वहीं इस दौरान जमा 11.34 प्रतिशत बढ़कर 145.92 लाख करोड़ रुपये रही थी। अक्टूबर में गैर-खाद्य ऋण में 5.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। इससे पिछले साल समान महीने में इसमें 8.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। अक्टूबर में कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए बैंक कर्ज में 7.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। अक्टूबर, 2019 में गैर-खाद्य ऋण में वृद्धि 7.1 प्रतिशत रही थी। अक्टूबर में उद्योग को ऋण में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले समान महीने में इसमें 3.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

वित्त वर्ष 2019-20 के लिए 30 दिसंबर तक 4.73 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2019-20 (आकलन वर्ष 2020-21) के लिए 30 दिसंबर तक 4.73 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। आयकर विभाग ने बुधवार को यह जानकारी। सरकार ने व्यक्तिगत आयकरदाताओं के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 10 जनवरी, 2021 कर दी है। पहले इसकी अंतिम तारीख 31 दिसंबर, 2020 थी। इसी तरह कंपनियों के लिए भी आयकर दाखिल करने की अंतिम तारीख को 31 जनवरी से बढ़ाकर 15 फरवरी कर दिया गया है। आयकर विभाग ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया कि वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 30 दिसंबर तक 4.73 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। इससे पिछले वित्त वर्ष में तुलनात्मक अवधि तक 5.12 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे। बिना विलंब शुल्क के वित्त वर्ष 2018-19 (आकलन वर्ष 2019-20) के लिए अंतिम तिथि तक 5.65 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए थे। पिछले साल आयकर रिटर्न दाखिल करने की तारीख को 31 अगस्त, 2019 तक बढ़ाया गया था। दाखिल किये गये आयकर रिटर्न में से 2.61 करोड़ करदाताओं ने आईटीआर-1 दाखिल किया है। पिछले साल 30 अगस्त तक यह आंकड़ा 2.91 करोड़ का रहा था। 30 दिसंबर तक 1.05 करोड़ आईटीआर-4 दाखिल किए गए। वहीं 30 अगस्त, 2019 तक 1.10 लाख आईटीआर-4 दाखिल किए गए। आईटीआर-1 सहज फॉर्म को कोई भी सामान्य निवासी जिसकी सालाना आय 50 लाख रुपये से अधिक नहीं है, अपनी व्यक्तिगत आय के बारे में जानकारी देते हुये भर सकता है। वहीं आईटीआर- 4 सुगम फॉर्म को ऐसे निवासी व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार और फर्म (एलएलपी को छोड़कर) द्वारा भरा जा सकता है जिनकी व्यवसाय और किसी पेशे से अनुमानित आय 50 लाख रुपये तक है। वहीं आईटीआर- 3 और 6 व्यवसायियों के लिये, आईटीआर- 2 आवासीय संपत्ति से आय प्राप्त करने वाले लोगों द्वारा भरा जाता है। आईटीआर- 5 फॉर्म एलएलपी और एसोसिएशन ऑफ पर्सन के लिये, वहीं आईटीआर- 7 उन लोगों के लिये है जिन्हें ट्रस्ट अथवा अन्य कानूनी दायित्वों के तहत रखी गई संपत्ति से आय प्राप्त होती है।

स्नैपड्रैगन 720जी प्रोसेसर के साथ ओप्पो रेनो 5 हुआ लॉन्च

बीजिंग।

ओप्पो ने अपनी अगली पीढ़ी के रेनो 5 सीरीज को हाल ही में लॉन्च कर दिया है, जिसमें रेनो 5 5जी, रेनो 5 प्रो 5जी और रेनो 5 प्रो प्लस 5जी जैसे मॉडल शामिल हैं और अब कंपनी ने वियतनाम में रेनो 5 4जी के रूप में अपनी इस सीरीज में चौथे सदस्य को भी शामिल कर लिया है। गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के मुताबिक, वियतनाम में इस स्मार्टफोन की कीमत 86,90,000 दोंग यानि कि करीब 27,513.48 रुपये है और अब कंपनी 12 जनवरी को इंडोनेशिया में अपने इसी डिवाइस को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। स्मार्टफोन में 6.4 इंच की एमोलेड डिस्प्ले है, जिसका स्क्रीन रेजॉल्यूशन 2400 गुणा 1080 पिक्सल है और इस फूल एचडी प्लस स्क्रीन का रिफ्रेश रेट 90 हर्ट्ज है। यह डिवाइस क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 720जी चिपसेट द्वारा संचालित है, जो कि 4जी एलटीई कनेक्टिविटी तक सीमित है। इसमें 8जीबी एलपीडीडीआर4 गुणा रैम और 128जीबी का इंटरनल स्टोरेज है। इस फोन के पीछे क्वॉड-कैमरा का सेटअप लगा है, जो 44एमपी प्राइमरी सेंसर, 8 मेगापिक्सल सुपरवाइड लेंस, 2एमपी मैक्रो लेंस और एक 2एमपी के मोनोक्रॉम सेंसर से लैस है। फोन में सामने की तरफ एक 44एमपी का सेल्फी स्नैपर है। फोन में 4,310एमपी की बैटरी दी गई है, जो फर्स्ट जेनरेशन के 50वार्ट सुपरवीओओसी फास्ट चार्जिंग टेक्नोलॉजी को सपोर्ट करता है। 5जी मॉडल की ही तरह ओप्पो रेनो5 4जी भी हालिया एंड्रॉयड11 पर रन करता है।

एफडीआई, फेमा के उल्लंघन के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट के खिलाफ कार्रवाई करेगी ईडी

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने अमेजन और वॉलमार्ट के स्वामित्व वाले फ्लिपकार्ट के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को निर्देश दिया है। इन कंपनियों द्वारा एफडीआई नीति और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के व्यापक उल्लंघन के लिए कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) लंबे समय से इन कंपनियों पर कार्रवाई की मांग कर रहा है। इसी मांग के आधार पर सरकार ने यह कड़ा संज्ञान लिया है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया और महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि कैट द्वारा केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को हाल ही में अमेजन और वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट के खिलाफ की गई कई शिकायतों के आधार पर यह कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने दिसंबर में जारी अपने पत्र में प्रवर्तन निदेशालय और भारतीय रिजर्व बैंक दोनों को अमेजन और फ्लिपकार्ट के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा है। भरतिया और खंडेलवाल ने कहा कि ईडी और आरबीआई को दिए अपने संचार में, डीपीआईआईटी ने कैट की चार शिकायतों को सामने रखा है। कैट का आरोप है कि इन ई-कॉमर्स कंपनियों ने विदेशी निवेश की नीतियों का जमकर उल्लंघन किया है। साथ ही फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट 1999 (फेमा) के नियमों का भी इन कंपनियों ने उल्लंघन किया है। भरतिया ने कहा कि फ्लिपकार्ट और आदित्य बिरला ग्रुप के बीच हुई डील में सीधे तौर पर एफडीआई के नियमों का उल्लंघन हुआ है। कैट ने कहा कि अगले साल पूरे देश के व्यापारी ई-कॉमर्स के खिलाफ व्यापार सम्मान वर्ष मनाएंगे।

औद्योगिक उत्पादन नवंबर में 2.6 फीसदी गिरा

नई दिल्ली।

देश के आठ अहम औद्योगिक क्षेत्रों के उत्पादों में बीते महीने (नवंबर में) 2.6 फीसदी की गिरावट रही। खासतौर से प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों, इस्पात और सीमेंट के क्षेत्र के उत्पादों में गिरावट के चलते देश के इन प्रमुख क्षेत्रों औद्योगिक उत्पादन में लगातार नौवें महीने गिरावट जारी रही। औद्योगिक उत्पादन के नवंबर महीने के ये आधिकारिक आंकड़े गुरुवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के आर्थिक सलाहकार के कार्यालय से जारी हुए। आंकड़ों के अनुसार, आठ कोर उद्योगों का संयुक्त सूचकांक नवंबर में 125.9 रहा, जो पिछले साल के इसी महीने से 2.6 फीसदी नीचे फिसला है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ला लीगा : एल्के ने रियल मेड्रिड संग बांटे अंक

एल्के (स्पेन)।

स्पेनिश लीग ला लीगा में बुधवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान एल्के ने मौजूदा चैम्पियन रियल मेड्रिड को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। ड्रॉ खेलने के कारण कोच जेनेदिन जिदान की टीम रियल मेड्रिड का पिछले पांच मैचों से चला आ रहा विजयक्रम भी थम गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, रियल मेड्रिड ने लुका मोड्रिच द्वारा 20वें मिनट में किए गए गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना ली और टीम ने इसे हाफ टाइम तक कायम रखा। लेकिन हाफ टाइम के बाद चावेस डी ला टोरे ने 52वें मिनट में पेनाल्टी को गोल में तब्दील करके एल्के को 1-1 की बराबरी दिला दी। एल्के से ड्रॉ खेलने के बाद रियल मेड्रिड की टीम 16 मैचों में 33 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है जबकि एल्के 14 मैचों में 16 अंकों के साथ 15वें नंबर पर पहुंच गई है।

क्रिकेट : तमाम दर्द के बावजूद जाते-जाते जीत का राह दे गया 2020

नई दिल्ली।

साल 2020 जब आया तो उम्मीद थी कि अक्टूबर में आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप को जीत भारत इसे यादगार बनाएगा, लेकिन कोरनावायरस का साया ऐसा छाया कि विश्व कप स्थगित हो गया। कोविड-19 ने अधिकतर समय क्रिकेट नहीं होने दी और इसी बीमारी के कारण यह साल भूलने वाला रहा। सिर्फ यही नहीं, क्रिकेट के दिवानों को कोविड-19 के अलावा भी कई बुरी खबरों मिली, ऐसी खबरें जो प्रशंसकों को बीमारी से ज्यादा परेशान कर गईं उनमें से एक थी महेंद्र सिंह धोनी के सन्यास की खबर, डीन जोंस, बापू नादकर्णी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज चेतन चौहान का निधन और साल के आखिरी महीने में भारत का टेस्ट इतिहास में एक पारी में सबसे कम स्कोर पर ढेर होना। साल का अंत हालांकि भारत ने जिस तरह से किया है उसने अगले साल के लिए एक सकारात्मक सोच टीम में जरूर डाली होगी जो 2020 की कड़वी यादों को भूला अगले साल में एक शानदार जीत हासिल करते हुए कदम रख रही है। 2020 के जाते-जाते बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में भारत ने जिस तरह से जीत हासिल की है उसने इस साल के अंत को एक तरह से सुखद बनाया है। भारत ने साल की शुरुआत तो दो सीरीज जीत के साथ की थी। घर में खेली गई तीन मैचों की टी-20 सीरीज में श्रीलंका को 2-1 से हराया थ और फिर वनडे सीरीज में आस्ट्रेलिया को 2-1 से मात दी। यहां से टीम न्यूजीलैंड गई। भारत के लिए न्यूजीलैंड दौरा अच्छा नहीं रहा। टी-20 सीरीज में न्यूजीलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन वनडे सीरीज 0-3 से हार गई। टेस्ट में भारत को बेहद निराशा हाथ लगी। दो मैचों की टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड के सामने कोहली की सेना संघर्ष करती दिखी। न्यूजीलैंड दौरे को पीछे छोड़ भारत का ध्यान घर में दक्षिण अफ्रीका के साथ खेली जाने वाली वनडे सीरीज पर था, लेकिन कोविड़ के बढ़ते कहर ने इस सीरीज को रद्द करवा दिया। मार्च में यह सीरीज होनी थी और यह वो समय था जब धीरे-धीरे वायरस पैर पसार रहा था। किसी को भी अंदाजा नहीं था कि हालात इतने मुश्किल होने वाले हैं कि घर से बाहर निकलना खतरा होगा। 25 मार्च को भारतीय सरकार ने तालाबंदी की घोषणा कर दी और इसी खबर के साथ यह बात पक्की हो गई कि 28 मार्च से शुरू होने वाला आईपीएल इस बार तय कार्यक्रम पर नहीं होगा। आईपीएल पर काले बादल मंडरा रहे थे। लग रहा था कि इस बार क्रिकेट कैलेंडर आईपीएल के बिना ही खत्म होगा क्योंकि स्थिति दिन ब दिन मुश्किल हो रही थी। सौरभ गांगुली की अध्यक्षता वाली बीसीसीआई के लिए यह काफी मुश्किल था क्योंकि आईपीएल का न होना रेवेन्यू के लिहाज से बोर्ड को बहुत बड़ा झटका था। आईपीएल के साथ-साथ अक्टूबर में आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप पर भी काले बादल छा गए। इन दो टूर्नामेंट्स के बीच बीसीसीआई, आईसीसी और क्रिकेट आस्ट्रेलिया झूलती रही। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के लिए कोविड-19 के रहते 16 देशों की मेजबानी करना मुश्किल था और सभी इस बात को समझ भी रहे थे। अंततः यह खबर भी आ गई की टी-20 विश्व कप को स्थगित किया जा रहा है और यह टूर्नामेंट 2022 में खेला जाएगा क्योंकि 2021 में पहले से ही एक टी-20 विश्व कप की मेजबानी भारत के पास है। इस साल टी-20 विश्व कप के स्थगित होने पर भारतीय बोर्ड ने आईपीएल की विंडो तलाशी और फैसला किया गया कि 20 सितंबर से 10 नवंबर के बीच आईपीएल के 13वें सीजन का आयोजन कराया जाएगा। हां, यह आयोजन भारत में नहीं हुआ बल्कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने इसकी मेजबानी की। आईपीएल के टीमों के रवाना होने से पहले हिन्दुस्तान के प्रशंसकों को एक ऐसी खबर मिली जिसकी उम्मीद इस साल तो प्रशंसक नहीं कर रहे थे। भारत के दो बार के विश्व विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। धोनी ने 15 अगस्त को शाम को 7:26 बजे अपने इंस्टाग्राम पर एक छोटा का पोस्ट लिख अपने करियर की समाप्ति की घोषणा कर दी। धोनी ने इस बार भी वही किया जिसके लिए वो जाने-जाते है-हैरान करना। चुपचाप से उन्होंने अपने अंदाज में अपना फैसला दुनिया के सामने रख दिया। धोनी आखिरी बार 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले थे। इसके बाद वह आराम के चलते टीम से बाहर चल रहे थे। उनके टी-20 विश्व कप में खेलने की उम्मीद थी लेकिन कोविड-19 के कारण वह भी स्थगित हो गया था। धोनी के प्रशंसकों को अपने पसंदीदा खिलाड़ी से आईपीएल में वही प्रदर्शन की उम्मीद थी जिसके लिए चेन्नई सुपर किंग्स का यह कप्तान जाना जाता है। कप्तान धोनी अपनी टीम को इस सीजन वो सफलता नहीं दिला पाए और टीम पहली बार आईपीएल के प्लेऑफ में जाने से चूक गई। सवाल तो यह भी उठे थे कि धोनी का यह आखिरी आईपीएल होगा लेकिन एक मैच में टॉस के समय पूछे गए इस सवाल पर धोनी के छोटे से जवाब-डेफिनेटली नॉट (बिल्कुल नहीं) ने यह साफ कर दिया कि धोनी 2021 में भी चेन्नई के लिए खेलते नजर आएंगे। आईपीएल ने लोगों के चेहरे पर मुस्कान दी थी और लंबे अरसे बाद वह घर में टीवी के सामने बैठकर क्रिकेट देख रहे थे। इसी बीच एक ऐसी खबर भी आई जिसने सभी को एक बार फिर निराश कर दिया। आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डीन जोंस का अचानक मुंबई के होटल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। जोंस आईपीएल कॉमेंट्री टीम का हिस्सा थे। क्रिकेट इस बीच इससे आगे बढ़ी।

कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन के कारण सैम क्रेरी पर जुर्माना

लंदन ।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सैम क्रेरी को अक्टूबर में सेंट पीटर्सबर्ग ओपन के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के कारण 20000 डॉलर का निलंबित जुर्माना लगाया गया है। क्रेरी कोरोना पॉजिटिव पाये जाने के बाद निजी विमान से रूस से चले गए थे जबकि उन्हें स्थानीय अधिकारियों ने पृथकवास पर रखा था। एटीपी ने कहा कि मामले की जांच के बाद पाया गया कि क्रेरी का आचरण खेल भावना के विपरीत था। यह भी कहा गया है कि अगले छह महीने में कोरोना महामारी से जुझे स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं करने पर यह जुर्माना वापस ले लिया जायेगा।

आखिरी के दो टेस्ट मैचों के लिए ब्रॉडकास्ट क्रू में एक चौथाई स्टाफ की कटौती

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने भारत के साथ खेले जाने वाले आखिरी के दो टेस्ट मैचों में सुरक्षा के लिहाज से कुछ अहम कदम उठाए हैं जिनमें सफर करने वाली ब्रॉडकास्ट टीम के सदस्यों में कटौती शामिल है। साथ ही सीए ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और मैच अधिकारियों के लिए भी छूट मुहैया कराई है। सीए ने मंगलवार को कहा था कि सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच सात जनवरी से सिडनी में ही शुरू होगा और टीमें चौथे टेस्ट के लिए सिडनी (न्यू साउथ वेल्स) से ब्रिस्बेन (क्वींसलैंड) के लिए रावना होंगी। क्वींसलैंड की सरकार ने सीमाओं पर सख्ती कर रखी है खासकर उन लोगों के लिए जो न्यू साउथ वेल्स से आ रहे हैं। क्वींसलैंड की सरकार के नियमों के मुताबिक राज्य में कोई भी आ सकता बशर्ते वह कोविड-19 हॉट स्पॉट, न्यू साउथ वेल्स और आखिरी के 14 दिनों में विदेश का सफर करने वाले लोग नहीं हों। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) निक हॉक्ले ने मीडिया से कहा, सिडनी से ब्रिस्बेन जाने के लिए सरकार से मंजूरी की जरूरत होगी। हम क्वींसलैंड स्वास्थ विभाग के साथ इसी पर बातचीत कर रहे हैं। क्वींसलैंड के मुख्य स्वास्थय अधिकारी के सामने हमने यह जरूरतें रखी हैं। उन्होंने बताया कि सीए ने एनएसडब्ल्यू से क्वींसलैंड जाने के लिए यातायता में स्टाफ की कटौती करने का सोचा है खासकर ब्रॉडकास्टर के स्टाफ में। उन्होंने कहा, टेस्ट मैच कराना एक बड़ी उपलब्धि है। एक सप्ताह के समय में हमें देखना है कि

एनएसडब्ल्यू से बाहर लोगों और ब्रॉडकास्ट क्रू द्वारा टेस्ट मैच कैसे कराया जाएगा और यह भी कि ब्रिस्बेन टेस्ट क्वींसलैंड में मौजूद लोगों और क्रू के साथ कैसे कराना है। इससे हम एनएसडब्ल्यू और क्वींसलैंड के बीच यातायात को कम कर सकते हैं। यह आंकड़े हमारे पहले स्थान के मुकाबले कम होंगे। हॉक्ले ने कहा, हम स्थानीय लोगों की मदद से टेस्ट का अधिकतर हिस्सा कवर कर सकते हैं।

हम ज्यादा से ज्यादा 20 लोगों के साथ सफर करने के बारे में सोच रहे हैं। पिछले सप्ताह और उससे पहले के सप्ताह हम 80-100 लोगों के साथ थे।

संक्षिप्त समाचार

..सर लुइस हेमिल्टन कहिए जनाब

लंदन। सात बार के फार्मूला-1 विश्व चैम्पियन लुइस हेमिल्टन अब सर लुइस हेमिल्टन कहे जाएंगे। ब्रिटेन सरकार ने हेमिल्टन को नाइटहुड से सम्मानित करने का फैसला किया है। हेमिल्टन ने इस साल जर्मनी के दिग्गज फार्मूला वन चालक माइकल शूमाकर के रिकॉर्ड की बराबरी की थी और शूमाकर के सर्वाधिक 91 रेस जीतने के रिकॉर्ड को तोड़ा था। 35 साल हेमिल्टन नाइटहुड को पाने वाले सबसे चौथे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे को 29 साल की उम्र में और साइक्लिस्ट ब्रेडली विगिंस तथा क्रिस हॉय को 32 साल की उम्र में यह सम्मान मिल चुका है। हेमिल्टन इस सम्मान को पाने वाले चौथे फॉर्मूला वन चालक हैं। उनसे पहले जैक ब्राहम (1978), स्टर्लिंग मोस (2000) तथा जैकी स्टीवर्ट (2001) को नाइटहुड सम्मान मिल चुका है। हालांकि हेमिल्टन नाइटहुड सम्मान पाने वाले पहले ऐसे एथलीट होंगे, जो अभी भी फॉर्मूला वन ड्राइवर के रूप में एक्टीव हैं। फॉर्मूला वन में हेमिल्टन एकमात्र अश्वेत चालक हैं। वह फॉर्मूला वन में अधिक विविधता का आह्वान कर चुके हैं।

प्रीमियर लीग : न्यूकैसल ने लिवरपूल को गोलरहित ड्रॉ पर रोका

न्यूकैसल। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में बुधवार को मेजबान न्यूकैसल यूनाइटेड और मौजूदा चैम्पियन लिवरपूल के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर जाकर समाप्त हुआ। लिवरपूल की टीम पहली बार इस सीजन में किसी मैच में कोई भी गोल नहीं दाग पाई है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, गोलरहित ड्रॉ के बाद लिवरपूल की टीम ने 16 मैचों में 33 अंकों के साथ साल का समापन किया है। वहीं, मैनचेस्टर युनाइटेड की टीम के 15 मैचों से 30 अंक हैं और वह लिवपूल से मात्र तीन अंक ही पीछे है। कोच जुर्गेन क्लॉप की टीम को लगातार दूसरे मुकाबले में ड्रॉ खेलना पड़ा है। यहां सेंट जोंस पार्क में खेले गए मुकाबले के पहले हाफ में लिवरपूल की टीम के स्टार मोहम्मद सालाह दो बार गोल करने का मौका गंवा बैठे। वहीं, न्यूकैसल युनाइटेड की टीम के फेबियन सोचर ने भी अंत में सादियो माने को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। मौजूदा चैम्पियन ने इस सीजन में आठ घरेलू मैचों में सात जीते हैं, लेकिन घर से बाहर आठ मैचों में वह केवल दो ही मैच जीत पाया है। न्यूकैसल ने अक्टूबर 2017 के बाद से पहली बार लिवरपूल को अंक बांटने पर मजबूर किया है।

पैरा साइकिलिस्टों का कश्मीर से कन्याकुमारी तक का साइकिल राइड पूरा

कन्याकुमारी।

भारत के पहले इंटरनेशनल मेडल विजेता पैरा साइक्लिस्ट आदित्य मेहता की अगुवाई में देश की पैरा साइक्लिंग टीम के सदस्यों ने कश्मीर से कन्याकुमारी तक का 45 दिन का साइकिल राइड पूरा कर लिया है। साइकिल राइड का लक्ष्य चैरिटी के लिए पैसे जमा करने के साथ-साथ पैरा स्पोटर्स को लेकर जागरुकता फैलाना है। इस एक्सपीडिशन को इंनफैनिटी राइड के2के 2020 नाम दिया गया था। आदित्य मेहता फाउंडेशन (एएमएफ) के ब्रेन चाइल्ड इस मिशन के तहत 45 दिनों तक चलने वाला 30 साइकिल चालकों का यह सफर 3842 किलोमीटर लम्बा था, जिसे उन्होंने देश के सबसे दक्षिणी छोर कन्याकुमारी पहुंचकर अपने उद्देश्य को प्राप्त किया। आदित्य मेहता फाउंडेशन के संस्थापक आदित्य मेहता ने कहा, मैंने इसी तरह के टैरेन में 2013 में भी साइकिल चलाया है। उस समय मुझे शारीरिक और मानसिक तौर पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था लेकिन लोगों से उस समय दो मुझे प्यार मिला था, उसने मुझे आदित्य मेहता फाउंडेशन की स्थापना के लिए प्रेरित किया। अब इतने वर्षो के बाद हमारी पहल के तहत हमारी 30 सदस्यीय राइडिंग टीम कोरोना महामारी की चुनौतियों के बीच एक शानदार सफर को अंजाम तक पहुंचाने में सफल रही। हमें आशा है हमारा यह जागरुकता अभियान लोगों को प्रेरित करेगा और वे आगे आकर इस मिशन से जुड़ेंगे, जिसका लक्ष्य देश में नए और श्रेष्ठ पैरा टैलेंट की खोज करना है। देश भर के 36 शहरों की यात्रा करने के बाद इंनफैनिटी राइड के2के 2020 में शामिल चालकों ने हिस्टोरिक विवेकानंद राक मेमोरियल पर अपनी यात्रा समाप्त की, जहां उनका स्वागत रक्षा एवं केंद्रीय सशस्त्र बलों के अधिकारियों ने किया। इंनफैनिटी राइड के 2के 2020 के छठे संस्सकरण को 19 नवम्बर को श्रीनगर में फ्लैग आफ किया गया था। सीमा सुरक्षा बल

इंफिनिटी राइड को साल 2013 में इसकी शुरूआत के समय से ही समर्थन देता आ रहा है। इंनफैनिटी राइड 2020 का उद्देश्य देश भर में उभरते हुए पैरा खेल प्रतिभाओं की खोज करना और उनका पोषण करना तथा उन्हें उच्चतम स्तरों पर प्रतिस्पर्धा करने और वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार करना है।

अफगानिस्तान के साथ सीरीज खेलने के लिए आयरलैंड टीम यूएई पहुंची

अबू धाबी।

आयरलैंड क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के साथ वनडे सीरीज खेलने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंच गई है। यूएई अफगानिस्तान का घरेलू मैदान होगा, लेकिन मेजबान टीम अब तक नहीं पहुंची है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने आयरलैंड के साथ होने वाली इस सीरीज के लिए अब तक टीम की घोषणा नहीं की है जबकि उनके खिलाड़ियों को अब तक वीजा भी नहीं मिला है। आयरलैंड की टीम ने अबू धाबी स्टेडियम पहुंचने के बाद टिवटर पर कहा, टीम के खिलाड़ी पहली बार अबू धाबी पहुंचे। सभी ट्रेनिंग और अभ्यास सख्त प्रोटोकॉल के तहत होंगे। इस बीच एसीबी के पूर्व मीडिया मैनेजर एम. इब्राहिम ने कहा, मेहमान मेजबान का इंतजार कर रहे हैं। आयरलैंड क्रिकेट टीम यूएई पहुंची। एसीबी ने अब तक अपनी टीम की घोषणा नहीं की है। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 18 जनवरी से अबू धाबी में शुरू होने की संभावना है।

मेलबर्न पहुंचने के बाद रोहित शर्मा ने शुरू किया अभ्यास

मेलबर्न। भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गुरुवार को अभ्यास शुरू कर दिया है। बीसीसीआई ने अपने ट्वीटर हैंडल के लिए जरिए इस बात की जानकारी दी। रोहित भारत से आस्ट्रेलिया आने के बाद सिडनी में 14 दिन तक क्वारंटीन थे। वह बुधवार को मेलबर्न पहुंच कर टीम से जुड़े। बीसीसीआई ने गुरुवार को भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज की कैचिंग प्रैक्टिस करते हुए फोटो पोस्ट की है। इस फोटो के साथ लिखा है, इंजन शुरू होने वाला है। आगे क्या होगा इसकी एक झलक। रोहित की मैच फिटनेस काफी अहम होगी क्योंकि 10 नवंबर को खेले गए आईपीएल फाइनल के बाद उन्होंने किसी तरह की क्रिकेट नहीं खेली है। आईपीएल के बाद वह बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में गए और अपनी चोट पर काम किया। आस्ट्रेलिया आने के बाद वह क्वारंटीन में थे इसलिए उन्हें अभ्यास करने का मौका नहीं मिला। टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री कह चुके हैं कि रोहित का अंतिम-11 में आना पक्का नहीं है। उन्होंने कहा था, हम उनसे बात करेंगे और देखेंगे कि उनकी फिटनेस कैसी है क्योंकि वह दो सप्ताह क्वारंटीन थे। हमें देखना होगा कि वह किस तरह का महसूस कर रहे हैं इसके बाद हम फैसला लेंगे।

बुमराह का शरीर, दिमाग बड़े मंच के लिए तैयार

नई दिल्ली।

जसप्रीत बुमराह आस्ट्रेलिया के साथ बाकी बचे दो टेस्ट मैचों में खेलने वाले उस गेंदबाजी आक्रमण के इकलौते गेंदबाज होंगे जिसने 2018-19 में आस्ट्रेलियाई दौरे पर भारतीय टीम को अहम जीत दिलाई थी। उन्होंने अभी तक 16 टेस्ट मैच खेले हैं और अब वह टीम में सबसे सीनियर गेंदबाज हैं। बुमराह की वापसी अभी तक अच्छी रही है। वह दो टेस्ट मैचों में आठ विकेट लेने में सफल रहे हैं। मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने चार विकेट ले आस्ट्रेलिया को जल्दी ढेर करने में अहम भूमिका निभाई। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज अतुल वासन ने कहा, वह परिपक्वता दिखा रहे हैं। वह सोचने वाले गेंदबाज हैं और सीमाओं के बाद भी उन्होंने सभी प्रारूपों में अच्छा किया है। उन्होंने काबिलियत दिखाई है, जो शानदार है। मुझे लगा था कि वह चोटिल हो जाएंगे लेकिन वह काफी मजबूत हैं। बुमराह इतने प्रभावी हैं इसका एक कारण उनका छोटा रनअप है जो उनकी ऊर्जा को बचाता है। उनकी सफलता का एक कारण उनकी सटीकता भी है। उन्होंने पदार्पण करने वाले मोहम्मद सिराज से सटीकता को लेकर टिप्स भी शेयर किए थे। मोहम्मद शमी पहले ही सीरीज से बाहर हैं और गुरुवार को यह भी साफ हो गया कि उमेश यादव भी सीरीज से बाहर हो चुके हैं। इसके बाद भारत को रिजर्व गेंदबाजों के भरोसे रहना होगा। ईशांत शर्मा तो चोट के कारण आस्ट्रेलिया नहीं आए हैं। भारतीय रिजर्व गेंदबाजों के पास कुल मिलकर दो टेस्ट मैचों का अनुभव है।

सिराज ने एक टेस्ट मैच खेला है और शार्दूल ठाकुर ने भी एक ही टेस्ट मैच खेला है। रिजर्व में मौजूद बाकी गेंदबाज-टी.नटराजन, कार्तिक त्यागी ने अभी तक टेस्ट नहीं खेले हैं। आखिरी के दो टेस्ट सिडनी और ब्रिस्बेन में हैं। ऐसे में यह दोनों टेस्ट बुमराह के दिमाग, परिपक्वता और शरीर की परीक्षा भी ले सकते हैं। बुमराह को पिछले साल दक्षिण अफ्रीका सीरीज से पहले पीठ के निचले हिस्से में चोट लग गई थी। वह इस सीरीज में नहीं खेले थे और इसके बाद बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में भी नहीं खेले थे। दूसरे टेस्ट मैच में दूसरी पारी में उमेश के चोटिल होने के बाद बुमराह का बोझ बढ़ गया था। यह साफ तौर पर दिखा था। दूसरे टेस्ट के चौथे दिन जब बुमराह कुछ देर के लिए बाहर गए तो इसने अटकलों को जन्म दे दिया।

उमेश यादव टेस्ट सीरीज के बाकी बचे दो मैचों से बाहर

मेलबर्न। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज उमेश यादव चोट के कारण आस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी चार मैचों की टेस्ट सीरीज के बाकी बचे दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। ऐसा समझा जाता है कि उमेश अब राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहेबिलिटेशन से गुजरेंगे। उमेश मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए थे। उन्होंने दिन के दूसरे सत्र में आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज जोए बर्न्स को आउट किया था और इसके बाद वह चोटिल हो गए थे। उमेश को संभवतः पिंडली में या टखने में चोट हो सकती है या फिर क्रैम्प हो सकता है। उमेश से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे वह पूरी सीरीज से बाहर हो गए थे। उमेश के बाहर होने के बाद जसप्रीत बुमराह अपने साथी गेंदबाज मोहम्मद सिराज और नवदीप सैनी के साथ तेज गेंदबाजी आक्रमण का अगुवाई करेंगे। शार्दुल ठाकुर, टी. नटराजन और कार्तिक त्यागी पहले से ही नेट्स गेंदबाज के रूप में मौजूद हैं और अब उमेश तथा शमी की जगह इन तीनों में से दो गेंदबाजों को शामिल किया जा सकता है।

चुकंदर के गुण

चुकंदर स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक सब्जी है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और कम मात्रा में प्रोटीन और वसा पाया जाता है। इसका जूस सब्जियों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। यह प्राकृतिक शुगर का सबसे अच्छा स्त्रोत है। इसमें सोडियम, पोटेशियम, फास्फोरस, कैल्शियम, सल्फर, क्लोरीन, आयोडीन, आयरन, विटामिन बी1, बी2, और सी पाया जाता है। इसमें कैलोरी काफी कम होती है। इसका जूस कई बीमारियों के उपचार में लाभदायक होता है।

एनीमिया - चुकंदर का जूस मानव शरीर में खून बनाने की प्रक्त्रिया में उपयोगी होता है। आयरन की प्रचुरता के कारण यह लाल रक्त कोशिकाओं को सक्त्रिय और उनकी पुर्नरचना करता है। यह एनीमिया के उपचार में विशेष रूप से उपयोगी होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

पाचन - चुकंदर का जूस पीलिया, हेपेटाइटिस, मतली और उल्टी के उपचार में लाभप्रद होता है। चुकंदर के जूस में एक चम्मच नींबू का रस मिलाकर इन बीमारियों में तरल भोजन के रूप में दिया जा सकता है। गैसट्रीक अल्सर के उपचार के दौरान सुबह नाश्ते से पहले एक गिलास चुकंदर के जूस में एक चम्मच शहद को मिलाकर पीएं।

कब्ज और बवासीर - चुकंदर के नियमित सेवन से कब्ज से बचा जा सकता है। यह बवासीर के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। रात में सोने से पहले एक गिलास या आधा गिलास जूस दवा के तौर पर पीना फायदेमंद होता है।

कई अन्य बीमारियों के लिए उपयोगी - चुकंदर का जूस अकार्बनिक कैल्शियम को संग्रहित करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है। इस कारण यह उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियों और पाव की नसों के लिए उपयोगी होता है। किडनी और पित्ताशय विकार में चुकंदर के रस में गाजर और खीरे के जूस को मिलाकर पीना उपयोगी होता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद - सफेद चुकंदर को पानी में उबाल कर छान लें। यह पानी फोड़े, जलन और मुहासों के लिए काफी उपयोगी होता है। खसरा और बुखार में भी त्वचा को साफ करने में इसका उपयोग किया जा सकता है।

रूसी - चुकंदर के काढ़े में थोड़ा सा सिरका मिलाकर सिर में लगाएं। या सिर पर चुकंदर के पानी में अदरक के टुकड़े को भिगोकर रात में मसाज करें। सुबह बालों को धो ले।

अपेंडिसाइटिस में सीटी स्कैन से सुरक्षित है अल्ट्रासाउंड

अपेंडिसाइटिस में सर्जरी की जरूरत का पता लगाने के लिए अल्ट्रासाउंड तकनीक ज्यादा कारगर और सुरक्षित है। एक सर्वे में पता चला है कि अल्ट्रासाउंड तकनीक सीटी स्कैन के मुकाबले अधिक सुरक्षित है। सीटी स्कैन में अलग-अलग कोणों से एक्सरे तस्वीरें ली जाती हैं, जबकि अल्ट्रासाउंड ध्वनि तरंगों पर निर्भर तकनीक है।

वाशिगटन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने 423 बच्चों पर अध्ययन करके पाया कि अपेंडिसाइटिस की आशका में ज्यादातर को सीटी स्कैन से गुजरना पड़ता है। माना जाता है कि किसी भी स्कैनिंग तकनीक से अपेंडिसाइटिस को न सिर्फ जल्दी पहचाना जा सकता है, बल्कि सर्जरी को भी टाला जा सकता है। लेकिन हाल में आए कुछ अध्ययन बताते हैं कि सीटी स्कैन के दौरान विकिरणों के संपर्क में आने से बच्चों में कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

शोधकर्ता जैकलीन सैटो के मुताबिक, अपेंडिसाइटिस का पता लगाना मुश्किल होता है, क्योंकि इसके लक्षण वायरल संक्त्रमण और दूसरी समस्याओं से मिलते-जुलते होते हैं। अगर सही समय पर इसका इलाज नहीं किया जाए, तो यह स्वास्थ्य लाभ को धीमा और पेचीदा बना सकता है। बड़ी आत की शुरुआत में एक छोटी थैली होती है, जिसे अपेंडिक्स कहते हैं। अपेंडिक्स में सूजन, रुकावट या संक्त्रमण की स्थिति को अपेंडिसाइटिस कहा जाता है। इसमें तेज पेट दर्द, उल्टी और बुखार जैसी शिकायतें होती हैं।

देख सकेंगे नेत्रहीन

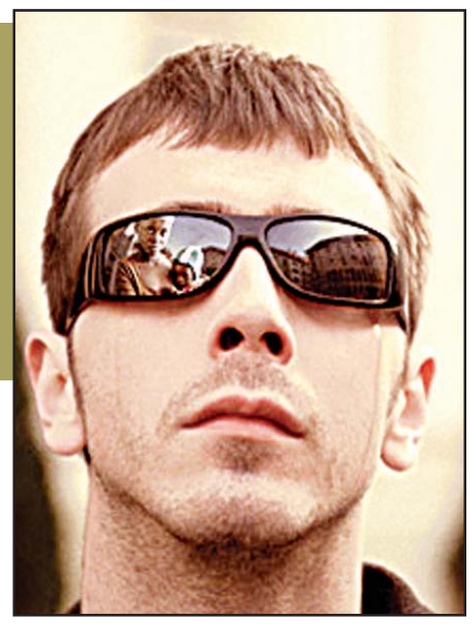

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा इंजेक्शन विकसित करने का दावा किया है जिसके जरिये लाइट-सेंसिंग सेल्स इंजेक्ट करके आखों की रोशनी को दोबारा प्राप्त किया जा सकता है।

यदि सबकुछ सही चलता रहा तो दुनिया देखने की ख्वाहिश रखने वाले नेत्रहीनों के लिए यह नया इंजेक्शन किसी वरदान से कम नहीं साबित होगा। जी हा, यह इंजेक्शन उन्हें अब दुनिया देखने की शक्ति प्रदान करेगा। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा इंजेक्शन विकसित करने का दावा किया है जिसके जरिये लाइट-सेंसिंग सेल्स इंजेक्ट करके आखों की रोशनी को दोबारा प्राप्त किया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि पूरी तरह दृष्टिहीन चूहे पर इसका प्रयोग सफल रहा है। अभी मनुष्यों पर इसे आजमाना बाकी है। मालूम हो कि रेटिनीटिस पिग्मेंटोसा के मरीजों में रेटिना की लाइट-सेंसिंग सेल्स धीरे-धीरे खत्म हो जाती हैं। अंत में व्यक्ति की आखों की रोशनी बिल्कुल चली जाती है और वह दृष्टिहीन हो जाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह इंजेक्शन दो सप्ताह बाद अपना असर दिखाना शुरू कर देता है। इंजेक्शन देने के दो हफ्ते बाद से खत्म हो रही रेटिना की कोशिकाएं फिर से बननी शुरू हो जाती हैं। शोध से जुड़े प्रोफेसर रॉबर्ट मैकलैरेन के मुताबिक यह पहला मौका है जबकि पूरी तरह से नेत्रहीन चूहे पर इस तरह का प्रयोग किया गया है। इससे पूर्व आशिक दृष्टिहीन चूहों पर ही प्रयोग किए गए। यह अध्ययन प्रोसीडिंग ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस जनरल में प्रकाशित किया गया।

एलोवेरा बनेगा किडनी का सुरक्षा कवच

वनस्पतियों में छिपे औषधीय गुणधर्म हजारों साल से जीवन को संजीवनी देते रहे हैं, लेकिन उनके अनुसंधान पर परिणामी काम नहीं हुआ। अंग्रेजी दवाओं की भेंट चढ़ती जिंदगी में फिर से जान फूंकने के लिए चिकित्सा जगत आयुर्वेद की शरण में खड़ा हैं। लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के फार्मोकोलोजी विभाग में गिलोय के बाद अब एलोवेरा पर चल रहे एक शोध में इसे किडनी रोगों पर अत्यंत लाभकारी पाया गया है।

चरक संहिता में भी एलोवेरा को औषधीय गुणों से लवरेज बताया गया है, किंतु वैज्ञानिक शोध पर आधारित पुष्टि की कमी रही। फार्मोकोलोजी विभाग की एमडी की छात्रा डॉ. शालिनी वीरानी ने चूहों पर किए गए एक शोध में पाया कि एलोवेरा के सेवन से एक माह में उनकी किडनी पूरी तरह ठीक हो गई।

इसके लिए चूहों को दो ग्रुप में बाटा गया। पहले ग्रुप में स्वस्थ चूहे, जबकि दूसरे में किडनी के रोगी चूहे रखे गए। स्वस्थ चूहों को लगातार एलोवेरा का डोज दिया गया, जिसके बाद उनमें किडनी रोग का संक्त्रमण नहीं लगा। जिन चूहों की किडनी फेल की गई थी, उन्हें एक माह तक एलोवेरा की खुराक ने पूरी तरह ठीक कर दिया। एलोवेरा की खुराक से चूहों के लीवर की क्षमता भी बढ़ी मिली।

महंगी डायलिसिस से मिलेगी निजात

किडनी रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सा के समक्ष एक कठिन चुनौती है। एलोपैथिक में किडनी रोगियों को डायलिसिस पर रखा जाता है, जो महंगा होने के साथ-साथ साइड इफेक्ट भी करता है। एलोवेरा से किडनी रोगों में चमत्कारिक सुधार के संकेत से अब विभाग ट्रायल का दूसरा चरण शुरू करेगा। बाद में इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

व्यायाम को बढ़ावा देता है प्रोटीन

नियमित व्यायाम करने का प्रयास तो कई लोग करते हैं लेकिन ऐसे बहुत कम लोग होते हैं जो इस संकल्प पर टिकें। अब शोधकर्ताओंको ऐसे प्रोटीन के बारे में पता चला है कि जो न केवल व्यायाम को बढ़ावा देता है, बल्कि लोगों के काम करने के स्तर को बरकरार रखता है।

शोधकर्ताओं को व्यायाम के दौरान प्रमुख रोल अदा करने वाला प्रोटीन सीबी1 केनाबिनॉयड मिला है। व्यायाम करने के दौरान मजा नहीं आता। यही वजह है कि लोग इससे दूर भागते हैं। ऐसे में साफ होता है कि दिमाग का व्यायाम में अहम हिस्सा है।

मुख्य शोधकर्ता ने बताया कि दिमाग व्यायाम के लिए लोगों को मानसिक रूप से तैयार करता है। सीबी1 दिमाग को व्यायाम के लिए तैयार करता है। बायोलॉजिकल साइकिआट्री जर्नल में छपे लेख में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों में यह प्रोटीन ज्यादा होता है, वे व्यायाम की उबाऊ प्रक्रिया के दौरान भी उत्साहित रहते हैं।

आध्यात्म से बढ़ जाता है मानसिक बीमारी का खतरा

आध्यात्मिक व्यक्तियों के मानसिक तौर पर बीमार होने की संभावना कहीं ज्यादा होती है। हालिया हुए एक अध्ययन के मुताबिक आध्यात्म व्यक्ति को मानसिक बीमारियों के प्रति ज्यादा संवेदनशील बना देता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि खुद को धार्मिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक मानने वाले मानसिक तौर पर ज्यादा बीमार होते हैं। इसके साथ ही उनमें खाने-पीने में अनियमितता, चिंता, न्यूरोसिस और कई तरह के विकार घर कर जाते हैं। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक ऐसे लोग आम लोगों की तुलना में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दवाइयों का प्रयोग भी कहीं अधिक करते हैं।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के प्रोफेसर माइकल किंग के मुताबिक जो लोग जिंदगी को आध्यात्म के नजरिए से देखते हैं वे मानसिक तौर पर ज्यादा परेशान रहते हैं, अपेक्षाकृत उन लोगों के जो न तो धार्मिक होते हैं और न ही आध्यात्मिक। यह अध्ययन लंदन की करीब 7403 महिलाओं और पुरुषों से आध्यात्म और धर्म के संदर्भ में पूछे गए प्रश्नों पर आधारित है। पाया गया कि आध्यात्मिक लोगों में अन्य की तुलना में मानसिक बीमारिया होने की आशंका 50 फीसद अधिक होती है। ऐसे लोगों के दवाइयों के आदी हो जाने की आशंका 77 फीसद अधिक होती है। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि इस अध्ययन के संदर्भ में व्यापक परीक्षण करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन-यूरोप निवेश समझौते की वार्ता पूरी

बीजिंग।

30 दिसम्बर की रात को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने पेइचिंग में जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल, फ्रांसिसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उरसुला वोन देर लेयेन के साथ वीडियो मुलाकात की और चीन-यूरोप निवेश समझौते की वार्ता समय पर पूरी करने की घोषणा की। सात साल में 35 दौर की वार्ता के बाद चीन-यूरोप निवेश समझौते में अहम उपलब्धियां मिली हैं। विश्व आर्थिक मंदी में इस वार्ता की समाप्ति निसंदेह विभिन्न पक्षों के लिए एक अच्छी खबर है। चीन और यूरोप के लिए सफलता संतुलन, उच्च स्तर और आपसी लाभ व साझी जीत पर आधारित है। यह चीन-यूरोप आपसी निवेश के लिए और उच्च स्तर का व्यापारिक माहौल तैयार कर सकेगा और प्रबल तंत्र की गारंटी दे सकेगा। चीन सरकार के मुताबिक चीन और यूरोप ने द्विपक्षीय निवेश को आगे बढ़ाने के साथ निवेश के अनवरत विकास के लिए लाभदायक होने पर भी जोर दिया। आंकड़े बताते हैं कि हाल में चीन में यूरोपीय संघ का निवेश चीन के विदेशी निवेश का करीब 5 प्रतिशत है। जबकि यूरोप में चीन का निवेश भी यूरोपीय संघ के विदेशी निवेश का सिर्फ 3.4 फीसदी है। यह दोनों पक्षों की आर्थिक मात्रा के अनुकूल नहीं है। चीन के लिए यह समझौता चीन के और ऊंचे स्तर के खुलेपन को आगे बढ़ाने, नये विकास ढांचे की रचना करने, उच्चगुणवत्ता वाले विकास को साकार करने और क्षेत्रीय तमाम आर्थिक सहयोग साझेदारी समझौते के हस्ताक्षर को आगे बढ़ाने में मदद देगा। दूसरी ओर, यूरोप के लिए यह समझौता समय पर बारिश होने की तरह है। महामारी के झटके में हालांकि इस साल की तीसरी तिमाही में यूरोपीय संघ और यूरो क्षेत्र के आर्थिक विकास में बढ़ने की नजर आयी है, फिर भी पिछले साल की तुलना में क्रमशः 4.3 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत की कटौती आयी है। यूरोपीय क्षेत्र में महामारी पर नियंत्रण नहीं हो सका है, यूरोप में आर्थिक पुनरुद्धार का बहुत लम्बा रास्ता है। इस पृष्ठभूमि में चीन के साथ सहयोग करना यूरोपीय संघ के लिए विवेकपूर्ण विकल्प है। 2020 सभी लोगों के लिए एक कठिन साल रहा है।

चीन ने 'सिनोफार्म' के कोरोना टीके को सशर्त मंजूरी दी

बीजिंग।

चीन ने सरकारी कम्पनी 'सिनोफार्म' द्वारा विकसित कोरोना वायरस के टीके को सशर्त मंजूरी दे दी है। 'सिनोफार्म' ने बुधवार को कहा था कि उसका टीका जांच के अंतिम एवं तीसरे चरण के प्रारंभिक नतीजों के अनुसार, संक्रमण से बचाव में 79.3 प्रतिशत प्रभावी पाया गया है। सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' ने चीन के चिकित्सा उत्पादन प्रशासन के उपायुक्त चेन शिफेई के हवाले से कहा, '' सरकार द्वारा संचालित 'सिनोफार्म'की सहायक कम्पनी 'चीन नेशनल बायोटेक ग्रुप (CNBG) के तहत 'बीजिंग इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल प्रोडक्ट्स' संस्थान द्वारा निर्मित टीके को बुधवार को चीन के राष्ट्रीय चिकित्सा उत्पादन प्रशासन ने मंजूरी दे दी है।' खबर के अनुसार, चीनी अधिकारियों ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मानकों की तुलना में 'सिनोफार्म' के नतीजे 50 प्रतिशत बेहतर हैं। अमेरिका के 'फाइजर' और 'मॉर्डना' के टीके को अधिकृत करने के बाद चीन ने अपने देश में बनाए जा रहे टीकों में से एक को मंजूरी दी है। ब्रिटेन ने 'ऑक्सफर्ड-एस्ट्राजेनेका' के

कोविड-19 के टीके को भी मंजूरी दे दी थी, जिसके पहले टीके वहां सोमवार को लगाए गए। चीन की सरकार द्वारा संचालित दवा कम्पनी 'सिनोफार्म' उन पांच चीनी कम्पनियों में शुमार है, जो टीका बनाने की वैश्विक दौड़ में शामिल हैं। कोविड-19 से विश्वभर में अभी तक 18 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

पाकिस्तानी अदालत ने पूर्व विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ को 14 दिनों की हिरासत में भेजा

लाहौर.

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री एवं विपक्षी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के कद्दावर नेता ख्वाजा मुहम्मद आसिफ को यहां की एक अदालत ने आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति रखने के मामले में बृहस्पतिवार को 14 दिनों के लिए भ्रष्टाचार रोधी इकाई की हिरासत में भेज दिया। आसिफ (71) को राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों में मंगलवार को इस्लामाबाद से गिरफ्तार किया था।

आसिफ को 14 दिनों की रिमांड में सौंप दिया

लाहौर स्थित एनएबी अदालत ने बृहस्पतिवार को भ्रष्टाचार रोधी इकाई का अनुरोध स्वीकार कर लिया और उसे आसिफ को 14 दिनों की रिमांड में सौंप दिया। आसिफ अपदस्थ प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के करीबी सहयोगी हैं। शरीफ ने उनकी गिरफ्तारी की निंदा की है। स्व-निर्वासन में लंदन में रह रहे शरीफ ने एक ट्वीट में कहा, ''ख्वाजा आसिफ की गिरफ्तारी चयनकर्ताओं (सेना प्रमुख और आईएसआई प्रमुख क्रमश- जनरल कमर जावेद बाजवा तथा जनरल फैज हमीद) तथा चयनित (प्रधानमंत्री इमरान खान) के बीच सांठगांठ का नतीजा है। इस तरह का कृत्य यह प्रदर्शित करता है कि सरकार किस कदर दहशत में है, लेकिन यह इस तरह की हरकतों के जरिए अपने खात्मे की ओर बढ़ रही है।%

शरीफ को भगोड़ा घोषित किया

उल्लेखनीय है कि इमरान खान सरकार ने शरीफ को भगोड़ा घोषित कर दिया है, जिसके बाद से पूर्व प्रधानमंत्री लंदन में स्व-निर्वासन में रह रहे हैं। शरीफ वहां इलाज के सिलसिले में गये थे। अदालत में आसिफ ने न्यायाधीश से कहा कि वह नेशनल असेंबली के सदस्य रहे हैं और एनएबी ने उनके खिलाफ 2.1 करोड़ पाकिस्तानी रुपये का एक मामला बनाया है।

गर्भपात को कानूनी वैधता देने वाला लेटिन अमेरिका का पहला देश बना अर्जेंटीना

ब्यूनस आयर्स :

पोप फ्रांसिस की आपत्ति के बावजूद अर्जेंटीना गर्भपात को कानूनी वैधता प्रदान करनेवाला लातिन अमेरिका का सबसे पहला देश बन गया है। इसे देश में नारीवादी आंदोलनों की जीत बताया जा रहा है। करीब 12 घंटे तक चले सत्र के बाद देश के सीनेट ने 29 के मुकाबले 38 मतों के साथ इस विधेयक को पारित कर दिया। हालांकि गर्भपात को कानूनी वैधता प्रदान करने की कोशिश दो साल पहले भी हुई थी लेकिन सदन में वोट कम पड़ गए थे। इस विधेयक पर राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज आने वाले दिनों में हस्ताक्षर करेंगे। इसमें 14 सप्ताह तक के गर्भ को गिराने की मंजूरी है, जबकि दुष्कर्म और महिला के स्वास्थ्य को खतरा होने की स्थिति में 14 सप्ताह बाद भी गर्भपात कराया जा सकता है। फर्नांडीज ने मतदान के बाद ट्वीट किया, '' सुरक्षित, वैध गर्भपात अब कानून है।'' उन्होंने कहा कि यह चुनावी वादा था। फर्नांडीज ने कहा, ''आज हम एक बेहतर समाज हैं जो महिला अधिकारों को विस्तार प्रदान करता है और लोक स्वास्थ्य सुनिश्चित करता है।''लातिन अमेरिका के कुछ हिस्सों जैसे कि उरुग्वे, क्यूबा और मेक्सिको सिटी में भी इसे कानूनी वैधता प्राप्त है। हालांकि ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर

बोलसोनारो ने ट्वीट किया, '' मैं अर्जेंटीना के बच्चों के जीवन के लिए बेहद दुखी हूं। अब वे देश की अनुमति से मां की कोख में ही मर सकते हैं। अगर यह मेरे और मेरे प्रशासन के हाथ में होता, तो हम गर्भापात को कभी मंजूरी नहीं देते।''

मंगलवार को सदन का सत्र शुरू होने से पहले पोप फ्रांसिस ने गर्भपात को वैध करने पर विरोध जताया था।

संक्षिप्त समाचार

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने PM मोदी को दी नए साल की बधाई, बोले-उम्मीद ऐसे ही जारी रहेगा सहयोग

नेशनल डेस्क। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए साल की पूर्व संध्या पर गुरुवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि आने वाले साल में दोनों देश रचनात्मक द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाएंगे और सामयिक क्षेत्रीय एव वैश्विक मुद्दों के समाधान के लिए समन्वित प्रयास करेंगे। रामनाथ कोविंद और पीएम मोदी को अलग-अलग संदेशों में पुतिन ने कहा कि दोनों देशों के बीच 2020 की कठिनाइयों के बावजूद दोनों देशों के बीच लाभदायक सामरिक भागीदारी पूरे विश्वास के साथ विकसित हो रही है। उन्होंने कहा कि रूस और भारत रणनीतिक साझेदारी के संबंधों से जुड़े हैं, जो 2020 में कोरोना वायरस महामारी सहित विभिन्न कठिनाइयों के बावजूद आत्मविश्वास से विकसित हो रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देश एक व्यापक राजनीतिक संवाद बनाए रखते हैं और विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन संयुक्त परियोजनाओं को आगे बढ़ाते हैं। एससीओ और ब्रिक्स के सहयोग से भी अच्छे परिणाम मिलते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले साल रूस और भारत रचनात्मक द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक एजेंडे पर सामयिक मुद्दों को हल करने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखेंगे।

चीन व रूस के राष्ट्राध्यक्षों ने एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई दी

बीजिंग। 31 दिसंबर को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक-दूसरे को नव वर्ष का बधाई संदेश भेजा। अपने बधाई संदेश में शी चिनफिंग ने कहा कि 2020 अति असाधारण साल रहा है। बीते एक वर्ष के दौरान चीन और रूस की जनता ने एक-दूसरे को मदद दी, हाथ मिलाकर महामारी के खिलाफ संघर्ष किया और द्विपक्षीय मैत्री का नया अध्याय जोड़ा। शी ने जोर दिया कि आने वाला 2021 चीन-रूस संबंधों के लिए बहुत विशेष होगा। दोनों देश पीढ़ी दर पीढ़ी मैत्री की विचारधारा का प्रसार कर नये युग में द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए नयी योजना बनाएंगे। चीन रूस के साथ व्यापक सामरिक साझेदारी और विभिन्न क्षेत्रों के यथार्थ सहयोग को निरंतर गहरा करेगा, ताकि दुनिया में और ज्यादा सक्रिय ऊर्जा डाली जा सके। पुतिन ने बधाई संदेश में कहा कि बीते एक साल में रूस-चीन व्यापक सामरिक साझेदारी संबंधों का तेज विकास हुआ है। दोनों देशों ने घनिष्ठ सहयोग कर क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गर्म सवालों का हल करने को आगे बढ़ाने की कोशिश की और संयुक्त राष्ट्र संघ, शांगहाई सहयोग संगठन और ब्रिक्स देशों के ढांचे में सहयोग किया।

तिब्बत की धार्मिक संस्थाओं पर कब्जा करना चाहता है चीन

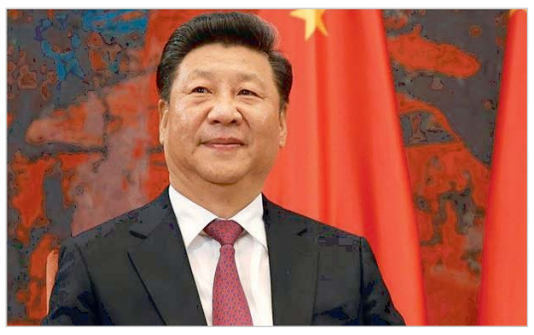

इंटरनेशनल डेस्क :

चीन की दुनिया पर कब्जे की नीयत अब खुलकर सामने आ चुकी है। चीन कई देशों की जमीन पर कब्जा भी जमा चुका है और दक्षिण चीन सागर में भी लगातार अपना प्रभुत्व बढ़ाता जा रहा है। अपनी इसी विस्तारवादी सोच के चलते चीन तिब्बत की धार्मिक संस्थाओं पर अपना कब्जा करना चाहता है। यह उसकी रणनीति का हिस्सा है और वह 14 वें दलाई लामा के निधन से पहले ही सभी परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाने के इरादे से काम कर रहा है ताकि अपने मुताबिक 15वें दलाई लामा का चयन करा सके। त्से सांग पालजोर ने ताइवान टाइम्स में की एक रिपोर्ट में लिखा है कि चीन चाहता है कि जिस तरह से उसने नब्बे के दशक में अपने कठपुतली को पंचेन लामा बनाया था और इस बार भी वह डमी दलाइनामा को चुन सके। चीन अब उसका इस्तेमाल करते हुए अपने द्वारा चुने गए नेता को 15वां दलाई लामा घोषित कराने की योजना पर काम कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 91 फीसदी तिब्बती चीन के द्वारा बनाए गए पंचेन लामा को स्वीकार नहीं करते हैं। उसको वह असली नहीं वरन नकली पंचेन लामा मानते हैं। चीन ने 1950 में तिब्बत पर कब्जा किया था और दलाई लामा 1959 में तिब्बत को छोड़कर भारत आ गए थे। वक्त को साथ चीनी अब तिब्बत को चीन का ही हिस्सा मानने लगे हैं और वो चाहते हैं कि यहां के सभी धार्मिक संस्थान उनके ही नियंत्रण में हो जाएं। आने वाले समय में तिब्बत के धार्मिक नेता के चयन के दौरान बड़ा शक्ति प्रदर्शन होने का अंदेशा है। 14 वें दलाई लामा के बाद की स्थितियां संघर्षपूर्ण हो सकती हैं। यही कारण है कि मौजूदा दलाई लामा ने यह घोषणा की हुई है कि अगला दलाइ लामा तिब्बत के बाहर पैदा हुआ है। इन स्थितियों में चीन अपने तरीके से दलाई लामा की खोज करेगा और निर्वासित तिब्बती अपने तरीके से दलाई लामा की खोज करेंगे।

वैश्विक सहयोग से ही खत्म हो सकती है कोरोना महामारी

बीजिंग। कोरोनावायरस महामारी शुरू हुए एक साल से भी अधिक वक्त बीत चुका है। लेकिन अभी भी वायरस पर काबू नहीं पाया जा सका है। कुछ देशों में वैक्सीन आने की संभावना के बावजूद महामारी के प्रसार का खतरा कम नहीं हुआ है। इस बीच ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका आदि देशों में वायरस का नया रूप सामने आया है। जो कि आम कोविड-19 वायरस से ज्यादा तेजी से फैल रहा है। हालांकि चीन में फिर से संक्रमण के कुछ मामले दर्ज किए गए हैं। लेकिन स्थिति नियंत्रण में है। हम साल 2021 में प्रवेश करने जा रहे हैं, लेकिन वायरस को लेकर शंका के बादल छंटने का नाम नहीं ले रहे हैं। वहीं वायरस के प्रसार को रोकने के लिए कई देशों में लॉकडाउन जारी है, इसका असर इकॉनमी पर पड़ रहा है। वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखने की आवश्यकता है। साथ ही वायरस से निपटने के लिए अहम उपाय भी किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से वायरस के खात्मे के लिए चीन, ब्रिटेन व भारत सहित कई देशों के वैज्ञानिक मेहनत से जुटे रहे। उनकी मेहनत के चलते अब वैक्सीन बाजार में आनी शुरू हो गयी है। विश्व का ध्यान इस बात पर लगा है कि जितनी जल्दी संभव हो, लोगों को वायरस से छुटकारा मिले। कहना होगा कि वर्तमान स्थिति में वैश्विक स्तर पर सहयोग किए बिना सदी के सबसे बड़े स्वास्थ्य संकट से नहीं निपटा जा सकता है। चीन ने इस महामारी से लड़ने में मजबूत इच्छा शक्ति दिखाई है। अब वह जरूरतमंद देशों को मदद करने में लगा हुआ है। अफ्रीका हो, एशिया या फिर यूरोप, चीन इस वायरस के मुकाबले में योगदान दे रहा है। इसके साथ ही चीनी कंपनियों द्वारा तैयार वैक्सीन कई परीक्षणों में खरी उतर चुकी है। यहां तक कि यूक्रेन ने चीनी साइनोवाक बायोटेक कंपनी की वैक्सीन खरीदने का ऐलान किया है। वहीं अन्य देश भी इस बाबत रुचि दिखा रहे हैं। हालांकि चीन कई बार कह चुका है कि वह वैक्सीन को सबसे पहले उन देशों के लोगों तक पहुंचाएगा, जिन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत है। लेकिन कुछ पश्चिमी देशों में वैक्सीन की जमाखोरी होने की खबरें सामने आयी हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि मुसीबत की इस घड़ी में सभी देश मिल-जुलकर सहयोग करेंगे। ताकि जल्द से जल्द कोरोना महामारी पर जीत हासिल की जा सके।

चीन ने अमेरिका पर ताइवान जलडमरूमध्य में 'शक्ति प्रदर्शन' करने का लगाया आरोप

बीजिंग :

चीन ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने ताइवान जलडमरूमध्य में बृहस्पतिवार की सुबह अपने दो नौसैन्य पोतों के जरिए 'शक्ति का प्रदर्शन% किया। हालांकि अमेरिकी नौसेना ने कहा है कि विध्वंसक पोत यूएसएस एस मैककेन और यूएसएस कर्टिस विल्बर ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत ताईवान जलडमरूमध्य मार्ग का इस्तेमाल किया। अमेरिकी नौसेना ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा है कि पोत की आवाजाही मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता को दिखाती है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने घटनाक्रम को 'शक्ति का प्रदर्शन% और भड़काऊ कदम बताते हुए कहा कि इससे ताइवान के स्वतंत्र बलों को गलत संकेत गया और ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचा है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने अपने आधिकारिक माइक्रोब्लॉग पर लिखा, ''हम पुरजोर तरीके से इसका विरोध करते हैं।%% साथ ही कहा कि उसने समुद्र और हवाई क्षेत्र से जहाजों की गतिविधियों पर नजर रखी। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''चीन की सेना हर समय सतर्क रहती है और राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी खतरे या उकसावे का जवाब दे सकती है।%% चीन ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है। ताइवान के जलडमरूमध्य को सामान्य रूप से अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग माना जाता है। ताइवान को अमेरिका द्वारा सैन्य मदद पर भी चीन विरोध जता चुका है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर नजर रखी और ''स्थिति नियंत्रण में है।%%

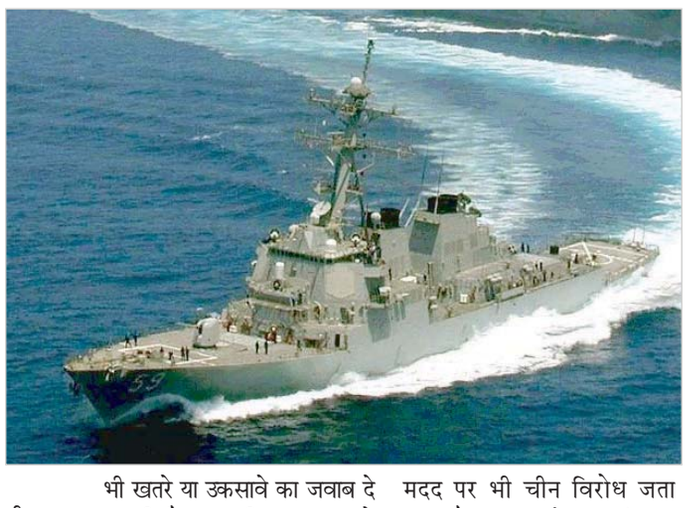

चीनी आक्रामकता ने भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के जश्न को फीका किया

बीजिंग, भारत-चीन राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ को शानदार तरीके से मनाने के साल में पूर्वी लद्दाख में मई महीने में चीनी आक्रामकता ने दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को गंभीर ठेस पहुंचायी जिसे वर्ष 1962 के युद्ध के बाद बेहद सावधानीपूर्वक विकसित किया गया था । सामरिक रूप से महत्वपूर्ण गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुए संघर्ष में भारत के 20 सैनिक शहीद हुए थे और चीन के भी अनेक सैनिक मारे गए थे। इसे विडंबना ही कहा जायेगा कि यह घटना ऐसे वर्ष में घटी जिसे दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने की 70वीं वर्षगांठ के रूप में संयुक्त रूप से मनाया जाना था । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच वर्ष 2018 में बुहान में और साल 2019 में तमिलनाडु के मामल्लपुरम में अनौपचारिक शिखर बैठक में हुई प्रगति के आधार पर कई कार्यक्रमों की घोषणा की गई थी । इस संबंध में दोनों देशों ने कारोबार, संस्कृति, सैन्य आदान प्रदान सहित द्विपक्षीय आयामों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 70 समारोहों का कार्यक्रम निर्धारित किया था लेकिन इसे शुरू नहीं किया जा सका क्योंकि सबसे पहले बुहान में कोरोना वायरस शुरू होने के बाद इसे फैलने से रोकने के लिये चीन में लॉकडाउन लगा दिया गया था । चीन में भारत के राजदूत विक्रम मिस्री ने गणतंत्र दिवस से जुड़े एक स्वागत समारोह में 23 जनवरी को कहा था, '' भारत पहला गैर समाजवादी राष्ट्र था जिसने पीपुल्स रिपब्लिक आफ चाइना को मान्यता दी थी । '' भारत में चीन के पूर्व राजदूत रहे और चीनी उप विदेश मंत्री लूओ झावहुइ इस समारोह में मुख्य अतिथि थे । इस दौरान मिस्री ने कहा था, '' यह हमारी यात्रा की समीक्षा करने और साथ मिलकर नये लक्ष्य तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। ''

आर्टिकल 370 पर मरयम ने की भारतीय PM की तारीफ ! कहा- इमरान की मूर्खता से मोदी की गोदी में गया कश्मीर

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पर विक्पक्षी दल के हमले जारी है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी व पीएमएल एन नेता मरियम नवाज शरीफ ने इमरान सरकार की नीतियों को जमकर कोसा और देश के लिए घायत बताया । मरयम नवाज ने कश मीर में पाकिस्तान की करारी शिकस्त के लिए जहां अप्रत्यक्ष तौर पर मोदी की कूटनूतियों को सराहा वहीं इमरान खान की गलत व बेवकूफी भरी नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। मरियम ने कहा कि इमरान की मूर्खता और उनकी अक्षमता की वजह से कश मीर नरेंद्र मोदी की गोदी में चला गया। उन होंने कहा कि अगर पाकिस्तान कश मीर पर अपना दावा खोता है तो उससे पूरा देश जख मी हो जाएगा।

नवाज शरीफ सरकार होती तो मोदी खुद पाकिस्तान आते

मरियम ने कहा कि इमरान खान अक्सर कहते हैं कि नवाज शरीफ मोदी का दोस्त है लेकिन खुद उन्होंने जाने-अंजाने कश्मीर को भारतीय प्रधानमंत्री के हाथों में सौंप दिया। मरियम ने कहा, जब देश में कमजोर प्रधानमंत्री होता है जो जनता के समर्थन और वोट से नहीं आया होता है और जब सरकार कमजोर होती है तब भारत जैसे शत्रु इस तरह का हमला करते हैं। उन्होंने कहा कि यह इमरान खान की मूर्खता और अक्षमता थी कि नरेंद्र मोदी ने कूटनीति और समझदारी से समय पर कश्मीर में आर्टिकल 370 हटाने का फैसला लिया और गेंद भारत के पाले में चली गई। मरियम ने कहा, अगर नवाज शरीफ सरकार होती तो मोदी खुद पाकिस्तान आते। यह एक वास्तविक प्रधानमंत्री और फर्जी प्रधानमंत्री में अंतर है। इस वजह से वोट को सम्मान देने की जरूरत है।

इमरान खान ने कश्मीर का सौदा किया

मरियम नवाज ने इमरान खान पर कश्मीर का सौदा करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सेना की कथित आलोचना पर केस दर्ज किए जा रहे हैं, जबकि खुद इमरान खान ने कई बार सेना की आलोचना की है। पीएमएल एन नेता ने कहा कि उनकी पार्टी इमरान खान के पुराने बयानों के आधार पर उनके खिलाफ पाकिस्तानी सेना की आलोचना करने के लिए केस दर्ज कराएगी। इससे पहले मरियम ने पीडीएम की रैली में सेना पर भी सियाचीन और कश्मीर में मिली हार को लेकर जमकर बखिया उधेड़ी थी। उन्होंने कहा कि देश में जब राजनीतिक दलों ने अपने वादों को पूरा करना शुरू कर दिया तो कुछ ताकतें (पाकिस्तानी सेना और आईएसआई) जो फूट डाल राज करो के लिए बदनाम थी, वो बेचैन होने लगीं।

इमरान के मंत्री विपक्षी दलों को बता रहे देशद्रोही

मरियम ने कहा कि तब हमने देखा कि आईएसआई के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शुजा ने राजनीतिक कचरों को इकट्ठा करके पाकिस्तान तहरीक एक इंसाफ (इमरान खान की पार्टी) की स्थापना की। जब देश में राजनेताओं को मौत की सजा दी जाने लगी और उनके चरित्र के ऊपर सवाल उठाए जाने लगे, तब कुछ लोग देश और संविधान को तोड़ने, सियाचिन और कश्मीर को खोने, राजनीति में हस्तक्षेप करने की शपथ का उल्लंघन करते हुए इससे भी कई गंभीर अपराध किए। उन लोगों को आज तक इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। मरियम के इस बयान के बाद बचाव में उतरे इमरान सरकार के मंत्री विपक्षी दलों को देशद्रोही तक करार दे रहे हैं।

फ्लोरिडा की यात्रा बीच में छोड़ कर वापस वाशिंगटन लौटेंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फ्लोरिडा की अपनी यात्रा बीच में छोड़ कर वापस वाशिंगटन डी.सी. लौटेंगे। वो फ्लोरिडा अपने परिवार के साथ क्रिसमस और नए साल का जश्न मनाने गए थे और अब एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को ही वो वाशिंगटन डी.सी. लौटेंगे। बुधवार देर रात जारी राष्ट्रपति के कार्यक्रम के अनुसार, ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप गुरुवार को व्हाइट हाउस के लिए फ्लोरिडा से सुबह 11 बजे (स्थानीय समयानुसार) रवाना होंगे। राष्ट्रपति की राजधानी में वापसी का मतलब है कि वह पिछले तीन वर्षों की तरह फ्लोरिडा के पाम बीच पर अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में नए साल की पूर्व संध्या का जश्न नहीं मनाएंगे। वाशिंगटन में ट्रंप की वापसी कांग्रेस द्वारा औपचारिक रूप से 6 जनवरी को इलेक्टोरल कॉलेज वोटों की गिनती से एक सप्ताह पहले हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेडिकल टूरिज्म और रोजगार सृजन का जरिया बनेगा एम्स: मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि गुजरात के लोगों को गंभीर बीमारी के कारण उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए गुजरात से बाहर न जाना पड़े उसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के चलते गुजरात को एम्स की सौगात मिली है।

उन्होंने कहा कि एम्स के कारण गुजरात में मेडिकल टूरिज्म बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री राजकोट एम्स के शिलान्यास के अवसर पर बोल रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राजकोट एम्स का वर्च्युअल शिलान्यास किया। रूपाणी ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सबसे बड़ी सुविधा देने वाले इस संस्थान का राजकोट में निर्माण होने से गुजरात के लोगों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में उच्चतम सुपर स्पेशलिटी सेवा अब अपने ही प्रदेश में सुलभ हो सकेगी।

उन्होंने कहा कि एम्स राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में विशिष्ट साबित होगा। गुजरात को स्वास्थ्य के क्षेत्र में अद्यतन सुविधाएं मुहैया कराने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुनियोजित आयोजन के भाग के रूप में देशभर में लागू की गई विभिन्न स्वास्थ्यपरक योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1956 से गुजरात के साथ अन्याय हो रहा था।

जिसके कारण अतीत में एम्स और मेडिकल कॉलेज जैसी सुविधाओं से गुजरात वंचित रहा।

लेकिन प्रधानमंत्री के विजन के कारण आज गुजरात को एम्स तथा करीब 30 मेडिकल कॉलेज की भेंट मिली है।

मुख्यमंत्री ने गुजरात के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की राज्य सरकार की कटिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि दो दशक पहले राज्य में केवल 9 मेडिकल कॉलेज और लगभग 1000 सीटें उपलब्ध थी,

जबकि आज गुजरात में 30 से अधिक मेडिकल कॉलेज और 6000 से ज्यादा सीटें उपलब्ध हैं।

गुजरात आज मेडिकल हब बनने की दिशा में अग्रसर है।

गुजरात में कोरोना के नए स्ट्रैन का पहला संदिग्ध केस, ब्रिटेन से आई युवती संक्रमित

क्रांति समय दैनिक

सूरत, भारत समेत दुनिया अभी कोरोना महामारी से उबरी नहीं थी कि ब्रिटेन के नए स्ट्रैन से विश्वभर में दहशत फैल गई है। भारत में नए स्ट्रैन के 22 मामले सामने आ चुके हैं। गुजरात में नए स्ट्रैन का पहला संदिग्ध केस सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। ब्रिटेन से सूरत के हजीरा आई एक युवती की रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उसे अलग वार्ड में शिफ्ट किया गया है। जानकारी के मुताबिक क्रिसमस की छुट्टियों के चलते यह युवती 10 दिसंबर को दिल्ली होते हुए सूरत आई है। हांलाकि 10 दिसंबर को ब्रिटेन से आने पर युवती की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। 20 दिसंबर को ब्रिटन जाने के लिए युवती दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची। लेकिन ब्रिटन की सभी उडानें रद्द होने के कारण युवती सूरत वापस लौट आई। युवती के सूरत लौटने की जानकारी के बाद उसका टेस्ट किया गया। टेस्ट में युवती में कोरोना के नए स्ट्रैन के लक्षण मिलने के बाद उसकी बहन, माता और पिता का टेस्ट किया गया। युवती के पिता की रिपोर्ट नेगेटिव आई, लेकिन मां और बहन कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

ब्रिटन से आई युवती समेत उसकी मां और बहन को सूरत के नए सिविल अस्पताल के अलग वार्ड में रखा गया है और तीनों के सैंपल जांच के लिए

उपचार की आशा लेकर आ रहा है नया साल 2021 पीएम मोदी

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि नए साल ने दस्तक दे दी है और 2021 का साल उपचार की आशा लेकर आ रहा है। वर्ष 2020 में संक्रमण को लेकर निराशा थी, चिंता और चारों ओर समस्याएं थीं। लेकिन 2021 उम्मीदें लेकर आ रहा है और वैक्सीन को लेकर आवश्यक तैयारियां चल रही हैं। राजकोट में आकार लेने वाले एम्स का वर्च्युल शिलान्यास करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में एक और कड़ी जुड़ रही है। राजकोट एम्स के कार्यरत होने से गुजरात समेत समूचे देश को स्वास्थ्य और मेडिकल एज्युकेशन मिलेगी। वर्ष 2020 को एक नई स्वास्थ्य सुविधा के साथ बिदाई करना है। इस साल की चुनौतियां नए साल की प्राथमिकता दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य बिगड़ने का असर जीवन के प्रत्येक पहलु पर होता है और केवल परिवार ही नहीं बल्कि सामाजिक दायरा भी उसकी चपेट में आ जाता है।

इसलिए पूरे हो रहे साल के अंतिम दिन भारत के लाखों डॉक्टर्स, हेल्थ वॉरियर्स, सफाईकर्मियों, दवाई की दुकान में काम करने वाले समेत दूसरी फ्रंटलाइन कोरोना वॉरियर्स को याद करने का है।

कत्तर्व्य पथ पर जिन साथियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया, उनको मैं सादर नमन करता हूं। चुनौतीपूर्ण रहे 2020 के वर्ष ने बताया कि भारत जब एकजुट होता है तब मुश्किल से मुश्किल से संकट का सामना वह मजबूती के साथ करता है। भारत ने एकजुटता के साथ असरदार कदम भी उठाए, जिसकी वजह से आज हमारी स्थिति बेहद अच्छी है। उन्होंने कहा कि जिस देश की जनसंख्या 130 करोड़ से अधिक और वह भी घनी आबादी हो, वहां करीब 1 करोड़ से अधिक लोगों ने कोरोना से लड़कर जीत हासिल की है।

सार-समाचार

नालाबिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 10 साल की कैद, 5000 जुर्माना

भावनगर महुवा की पोस्को कोर्ट ने दो साल पहले नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके अलग अलग जगहों पर ले जाकर दुष्कर्म करने के आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 की कैद और 5000 रूए का जुर्माना किया है। यह घटना भावनगर जिले की महुवा तहसील के शांतिनगर गांव की है। जहां 2018 में प्रवीण पीपलिया नामक आरोपी ने नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया था और उसके अलग अलग जगहों पर ले जाकर उसके कई दफा जबरन शारीरिक संबंध बनाए थे। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पोस्को कोर्ट में उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। आज महुवा की पोस्को कोर्ट के न्यायधीश एमएस सिंधी ने प्रवीण पीपलिया को दोषी करार देते हुए 10 साल की कड़ी कैद और 5000 रूए का जुर्माना किया है।

प्राणी उद्यान में गुफा बनाकर मादा भेडिये ने दिया चार बच्चों को जन्म

राजकोट ,शहर के प्रद्युम्न पार्क प्राणी उद्यान में फिर एक बार मादा भेडिये ने चार बच्चों को जन्म दिया है। बच्चों को जन्म देने से पहले जिस प्रकार जंगल में गुफा बनाते हैं उसी प्रकार नर-मादा भेडिये ने दो महीने पहले प्राणी उद्यान में गुफा बनाई। उद्यान प्रबंधन को गुफा बनाए जाने के बारे में पता चला तो सीसीटीवी लगाकर भेडियों के जोड़े पर नजर रखी गई। गुफा के बाहर नर भेडिया लगातार पहरा देता। 29 दिसंबर को गुफा में भेडिए के चार बच्चे दिखाई दिए, जिनके 10-12 दिन पहले जन्मे होने का अनुमान है। राजकोट स्थित प्राणी उद्यान के नर-मादा भेडियों को 2013 में मैसूर के प्राणी उद्यान से लाया गया था। राजकोट प्राणी उद्यान के अधीक्षक के मुताबिक भेडिये में गर्भधारण की समयावधि दो महीने जितनी होती है और गर्भधारण के दौरान ही मादा भेडिये ने पिंजरे में गुफा बनाना शुरू कर दिया था। प्रसूती के दौरान मादा भेडिया गुफा के भीतर रहती और नर भेडिया गुफा के बाहर पहरा देता था।

राजकोट प्राणी उद्यान में पिछले साल इसी मादा भेडिया ने चार बच्चों को जन्म दिया था।

राज्य में कोरोना केस के साथ ही मृतांक भी घटा

अहमदाबाद,दिवाली के बाद राज्य में कहर बरपाने वाले कोरोना का कहर लगातार कम होता जा रहा है। नए केसों की संख्या कम होने के साथ ही मृतांक भी घटा है। आज राज्य में 780 नए मामले सामने आए और 4 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। जबकि 916 मरीजों को ठीक होने का बाद डिस्चार्ज कर दिया गया/ स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 154, सूरत कॉर्पोरेशन में 119, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 106, राजकोट कॉर्पोरेशन में 64, वडोदरा में 29, कच्छ में 28, सूरत में 26, दाहोद में 24, राजकोट में 22, भरुच में 20, खेडा में 14, गांधीनगर, गांधीनगर कॉर्पोरेशन और पंचमहल में 13-13, मेहसाणा और मोरबी में 12-12 और जूनागढ़ में 11 समेत राज्यभर में 780 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए। जबकि 916 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गए। इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3 और सूरत कॉर्पोरेशन में 1 समेत राज्य में 4 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में अब तक 9652780 लोगों का टेस्ट किया गया है। जिसमें 245038 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए। इनमें से 230893 मरीज कोरोना को मात देकर अपने घर लौट चुके हैं। जबकि 4306 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। शेष 9839 सक्रिय मरीजों में 9778 स्टेबल हैं और 61 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में 505314 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें 505195 होम कोरन्टाइन और 119 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है/

घुसपैठ और तस्करी को रोकने में कोस्ट गार्ड की भूमिका अहम: मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने गुरुवार को भारतीय तटरक्षक बल (इंडियन कोस्ट गार्ड) के जिला मुख्यालय-15 ओखा में तटरक्षक जवानों के लिए निर्मित पारिवारिक आवासों का लोकार्पण किया। देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में तैनात भारतीय तटरक्षक जवानों को आवास की संपूर्ण सुविधाएं मुहैया कराने और देश की जल सीमा के रक्षकों के परिवारों को भी 'अपना घर' का एहसास कराने के लिए मुख्यमंत्री ने मेरिड एकोमेडेशन बिल्डिंग (पारिवारिक आवास इमारत) का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने भारतीय तटरक्षक बल के जवानों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि गुजरात का समुद्र तट देश में सर्वाधिक 1600 किलोमीटर

भारतीय तटरक्षक बल जिला मुख्यालय ओखा में पारिवारिक आवास का लोकार्पण

समुद्री सीमा की सुरक्षा में दिन-रात तैनात तटरक्षकों की सुविधाओं में होगी बढ़ोतरी

लंबा है साथ ही दुश्मन देश के साथ जल, थल और नभ तीनों ही सीमाएं साझा करता है। ऐसे में, समुद्री सीमा की रक्षा करने वाले कोस्ट गार्ड के जवान समुद्र में होने वाली अनेक अवैध गतिविधियों को रोकने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की समुद्री सीमाओं से घुसपैठ, मछुआरों का उत्पीड़न, ड्रग्स और हथियारों की तस्करी जैसी गतिविधियों को रोकने में कोस्ट गार्ड की भूमिका सराहनीय है। गुजरात में मरीन कमांडो और मरीन पुलिस के जरिए भी गुजरात सरकार ने समुद्री तटों और बंदरगाहों की सुरक्षा सुनिश्चित की है। मत्स्योद्योग, मालवाहक जहाज और मछुआरों की सुरक्षा के साथ ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण कंडला और मुंद्रा जैसे बंदरगाहों पर पैनी नजर रखते हुए तटरक्षक बल के जवान अपने आदर्श वाक्य 'वयम् रक्षाम: अर्थात हम रक्षा करते हैं' को सार्थक कर रहे हैं। रूपाणी ने कहा कि मरीन ईकोलॉजी यानी समुद्री पर्यावरण और दुर्लभ समुद्री जीवों का संरक्षण और आपदा के दौरान रेस्क्यू करते हुए कोस्ट गार्ड के जवानों ने इस वर्ष 20 से अधिक अनमोल मानव जिन्दगी को बचाया है। गत वर्ष 1200 करोड़ रूए के मादक पदार्थों को पाकिस्तानी बोट से पकड़कर और इस वर्ष 500 करोड़ रूए से अधिक मूल्य का ड्रग्स बरामद कर गुजरात की युवा पीढ़ी को बर्बाद होने से बचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के संकट में लॉकडाउन के दौरान भी 103 दिनों तक 300 लोगों के भोजन की व्यवस्था कोस्ट गार्ड की ओर से की गई थी। उन्होंने कहा कि मां भारती की सुरक्षा और सेवा में जुड़े तटरक्षकों के लिए पारिवारिक आवास के माध्यम से सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। इस अवसर पर कमांडिंग ऑफिसर, ओखा कोस्ट गार्ड मुकेश कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में भारतीय तटरक्षक जिला मुख्यालय-15 ओखा के सेवाकार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में जलापूर्ति मंत्री कुंवरजीभाई बावलिया, पर्यटन मंत्री जवाहरभाई चावड़ा, सांसद पूनमबेन माडम सहित कई महानुभाव और कोस्ट गार्ड के जवान मौजूद थे।

जुर्माना भरने गए कांग्रेस के पूर्व सांसद को पीएसआई ने मारा थप्पड़

वडोदरा कांग्रेस के पूर्व सांसद सत्यजीत गायकवाड ने वडोदरा पुलिस के पीएसआई पर दुर्व्यवहार और थप्पड़ मारने का आरोप लगाया है। यह घटना उस समय हुई जब गायकवाड मास्क नहीं पहनने पर अपनी बहन का जुर्माना भरने गए थे। इस संदर्भ में वडोदरा कांग्रेस ने पुलिस आयुक्तके समक्ष शिकायत की है। पुलिस आयुक्त ने मामले की उचित जांच का आश्वासन देते हुए जांच का आदेश भी दे दिया है। जानकारी के मुताबिक युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वडोदरा के सांसद सत्यजीत गायकवाड की बहन बुधवार को शाम कार में शहर के बगीखाना तीन रास्ते से गुजर रही थीं। उस वक्त उनका मास्क नाक के नीचे होने की वजह से पुलिस ने उन्हें रोक लिया और एक हजार रूए जुर्माना भरने को कहा। लेकिन साथ में पर्स नहीं होने के कारण उन्होंने अपने भाई सत्यजीत गायकवाड को जुर्माना भरने के लिए घटनास्थल पर बुलाया। सत्यजीत के पहुंचने पर पुलिस ने बताया कि उसके पास रशीद खत्म हो गई और इसलिए जुर्माना भरने पुलिस थाने आना पड़ेगा। सत्यजीत ने जब थाने जाने का विरोध किया तो पीएसआई उनसे भीड़ गए और दो थप्पड़ मार दिए।

जबकि मैंने पूर्व सांसद के रूप में अपनी पहचान भी दी। सत्यजीत ने आरोप लगाया कि उस वक्त पीएसआई ने फर्जी केस करने के साथ वान्टेड घोषित करने की धमकी भी दी। वडोदरा कांग्रेस ने इस संदर्भ में आज पुलिस आयुक्त से शिकायत की है। कांग्रेस की मांग है कि ऐसे पुलिसकर्मियों को तत्काल सस्पैंड किया जाना चाहिए। पुलिस आयुक्तने उचित जांच का आश्वासन देते हुए जांच के आदेश दिए हैं। दूसरी ओर नवापुरा पुलिस का कहना है कि सत्यजीत गायकवाड के निवास के निकट मास्क को लेकर उनकी और पुलिस के बीच कहासुनी हुई थी, लेकिन थप्पड़ मारे जाने की घटना नहीं हुई।

पीएसआई ने इस बारे में कोई सफाई नहीं दी और वह मीडिया से दूर रहे।

तंत्र मंत्र के नाम पर तांत्रिक ने विवाहिता से किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

भावनगर,जिले के इसोरा गांव में तांत्रिक द्वारा तंत्र मंत्री के नाम पर एक विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर पाखंडी तांत्रिक को गिरफ्तार के जेल भेज दिया। जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश का मूल निवासी श्रमिक परिवार भावनगर की तलाजा तहसील के इसोरा गांव में रहता है। कुछ समय पहले श्रमिक परिवार का तल्ली गांव में रहनेवाले कांति विट्ठलभाई शियाल नामक तांत्रिक से संपर्क हुआ। परिवार ने तांत्रिक को बताया कि उसका बच्चा रात में अचानक डर जाग जाता। तांत्रिक मंत्रित धागा परिवार को दिया और कहा कि इसे बच्चे के सिर से उतारकर चौराहे पर

डाल देना। जिसके बाद बच्चे के पिता ने तांत्रिक से मुलाकात की और बताया कि उसे सपने में नाग देवता दिखाई देते हैं और झुग्गी के निकट धन गड़ा होने का दिखता है। इसके अलावा उसकी पत्नी को सपने में चुडैल दिखाई देती है। श्रमिक की बात सुनकर तांत्रिक ने उसकी पत्नी पत भूत-प्रेत का साया हो सकता है और उसके लिए विधि करनी पड़ेगी। 29 दिसंबर की रात तांत्रिक श्रमिक परिवार के घर पहुंच गया। जहां श्रमिक परिवार के पांच लोग मौजूद थे। तांत्रिक ने कहा कि विधि के लिए विवाहित महिला को निर्वस्त्र होना पड़ेगा। परिवार ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताइ। जिसके बाद तांत्रिक ने परिवार को आधे घंटे के लिए बाहर भेज दिया। विवाहिता के अकेली होने पर तांत्रिक ने उसके सारे कपड़े उतरवा दिए। जिसके बाद तांत्रिक ने अपने कपड़े उतार दिए और विवाहिता के साथ बलात्कार किया। तांत्रिक ने विवाहिता को बताया कि यह भी विधि का हिस्सा है। इतना ही नहीं उसने विवाहिता को धमकी दी कि यदि इस बारे में किसी कुछ कहा तो वह उसे जान से मार देगा।

बाद में तांत्रिक विधि पूर्ण होने का बताकर परिवार घर के भीतर बुलाया और वहां से रवाना हो गया। हांलाकि बाद में युवती ने अपने पति से कहा कि तांत्रिक ने उसके साथ दुष्कर्म किया है।

विवाहिता की शिकायत के आधार पर तलाजा पुलिस ने तांत्रिक कांति शियाल के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

4 जनवरी से बाड़मेर-यशवंतपुर स्पेशल साबरमती स्टेशन पर रुकेगी

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल होकर चलने वाली ट्रेन संख्या 04806/04805 बाड़मेर - यशवंतपुर स्पेशल ट्रेन को साबरमती स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया गया है जिसका विवरण निम्नानुसार ट्रेन नंबर 04806 बाड़मेर - यशवंतपुर स्पेशल 4 जनवरी 2021 से प्रति गुरुवार को 22.00 बजे बाड़मेर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:49 साबरमती पहुंचकर 06:51 बजे यशवंतपुर के लिए प्रस्थान करेगी । वापसी में ट्रेन नंबर 04805 यशवंतपुर - बाड़मेर स्पेशल 07 जनवरी 2021 से प्रति सोमवार 11.30 बजे यशवंतपुर से प्रस्थान करेगी। तथा अगले दिन 19.:01 बजे साबरमती पहुंचकर 19.03 बजे बाड़मेर के लिए प्रस्थान करेगी। विभिन्न विशेष ट्रेनों के ठहरावों और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कोरोना को लेकर पीएम मोदी का नया अब दवाई भी और कड़ाई भी

राजकोट,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए गुजरात के राजकोट में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स की आधारशिला रखी। इससे गुजरात का हेल्थकेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा। शिलान्यास समारोह में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री विजय रूपानी और केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हैं।यहां पीएम मोदी ने कहा कि वर्ष 2020 ने हमें यह अच्छी तरह से सिखाया है कि स्वास्थ ही संपदा है। यह चुनौतियों से भरा वर्ष रहा है। राजकोट में 201 एकड़ में ये नया एम्स बनने जा रहा है. जिसकी लागत 1195 करोड़ रूपये होगी। अनुमान है कि 2022 तक इसे पूरी तरह से तैयार कर लिया जाएगा। इस एम्स में कुल 750 बेड का अस्पताल होगा, साथ ही 30 बेड आयुष के लिए होंगे. साथ ही 125 एमबीबीएस सीटें और 60 नर्सिंग सीटें भी होंगी। इस एम्स को सीधे एयरपोर्ट से कनेक्ट किया जाएगा। राजकोट एयरपोर्ट से सिर्फ 11 किमी. दूर ये एम्स स्थित होगा। एम्स में मरीजों के साथ आने वाले लोगों के लिए अलग से धर्मशाला बनाई जा रही है, साथ ही स्वास्थ्यकर्मियों के लिए भी अलग क्वार्टर बनना है। केंद्र सरकार की ओर से देश के अलग-अलग राज्यों में एम्स बनाए जा रहे हैं, ताकि हर राज्य में अच्छे हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की सुविधा रहेगी। जनवरी, 2019 में केंद्र सरकार ने राजकोट एम्स को मंजूरी दी थी। पीएम मोदी ने साथ ही नया मंत्र भी दिया और कहा कि वैक्सीन आने का मतलब ये नहीं की लापरवाही बरतें। अब दवाई भी और कड़ाई भी के मंत्र से आगे बढ़ें।उन्होंने कहा कि हमने हेल्थ सेक्टर में होलिस्टिक तरीके से काम शुरूकिया। हमने जहां एक तरफ प्रिवेंटिव केयर पर बल दिया, वहीं इलाज की आधुनिक सुविधाओं को भी प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा- 2014 से पहले हमारा हेल्थ सेक्टर अलग अलग दिशा में, अलग अलग अप्रोच के साथ काम कर रहा था। प्राइमरी हेल्थ केयर का अपना अलग सिस्टम था, गांव में सुविधाएं न के बराबर थी। पीएम मोदी ने कहा आयुष्मान भारत योजना से गरीबों के लगभग 30 हजार करोड़ रूपये ज्यादा बचे हैं। आप सोचिए, इस योजना ने गरीबों को कितनी बड़ी आर्थिक चिंता से मुक्त किया है। अनेकों गंभीर बीमारियों का इलाज गरीबों ने अच्छे अस्पतालों में मुफ्त कराया है। पीएम मोदी ने कहा- बीते 6 वर्षों में 10 नए एम्स बनाने पर काम हो चुका है। जिनमें से कई आज पूरी तरह काम शुरू कर चुके हैं। एम्स के साथ ही देश में 20 एम्स जैसे सुपर स्पैशिलिटी हॉस्पिटल्स पर भी काम किया जा रहा। उन्होंने कहा- आजादी के इतने दशकों बाद भी सिर्फ 6 एम्स ही बन पाए थे। 2003 में अटल जी की सरकार ने 6 नए एम्स बनाने के लिए कदम उठाए थे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

राहुल गांधी ने उद्योगपतियों का कर्ज माफ किए जाने को लेकर मोदी सरकार पर साधा निशाना, कही यह बात

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने देश के कुछ उद्योगपतियों के 2.37 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है, जबकि इतने पैसे से देश के 11 करोड़ परिवारों को 20-20 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा सकती थी। उन्होंने ट्वीट किया, ''2,37,876 रुपये का क़र्ज़ इस साल मोदी सरकार ने कुछ उद्योगपतियों का माफ़ किया। इस राशि से कोविड के मुश्किल समय में 11 करोड़ परिवारों को 20-20 हज़ार रुपये दिए जा सकते थे।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यही मोदी जी के विकास की असलियत है।

तेजस्वी सूर्या ने मुस्लिमों के नाम पर सड़कों के नामकरण को द्विराष्ट्र की सोच वाला सांप्रदायिक सिद्धांत बताया

बेगलुरु। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में मुस्लिमों के नाम पर कुछ सड़कों के नामकरण के कथित कदम को ''द्विराष्ट्र की सोच वाला सांप्रदायिक सिद्धांत' बताया और बेंगलुरु निगम से गैर मुस्लिम महापुरुषों के नाम पर विचार करने को कहा है। कन्नड़ अखबार में एक खबर प्रकाशित होने के बाद बेंगलुरु दक्षिण के सांसद ने बृहत बेंगलुरु महानगरपालिका (बीबीएमपी) के आयुक्त एन मंजूनाथ प्रसाद को पत्र लिखकर कहा है कि गैर मुस्लिमों के नाम पर सड़क का नामकरण होना चाहिए। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि बीबीएमपी ने केवल मुस्लिमों के नामों का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा, ''मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में सड़कों का नामकरण मुस्लिमों के नाम पर करना द्विराष्ट्र सिद्धांत वाली सोच है। यह उसी तरह की सांप्रदायिक सोच है, जब मुस्लिम लीग ने हिंदुओं और मुसलमानों के लिए अलग-अलग मतदाता सूची की मांग की थी। यह खतरनाक विचार है और इसकी निंदा होनी चाहिए।'' सांसद ने कहा कि गैर मुस्लिम महापुरुषों और देशभक्तों की कमी नहीं है और उन्हीं नामों में से सड़कों का नामकरण होना चाहिए। उन्होंने आयुक्त से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा है। सूर्या ने प्रसाद को भेजे अपने पत्र में कहा है, ''मैं आपसे तुरंत सूची को संशोधित करने और नामों को लेकर व्यापक चर्चा के बाद ही सड़कों का नामकरण किए जाने का अनुरोध करता हूं।''

राष्ट्रपति ने नववर्ष की पूर्वसंध्या पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं, बोले- आप सभी सुरक्षित एवं स्वस्थ रहें

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने नए साल की पूर्व संध्या के अवसर पर बृहस्पतिवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि कोविड-19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों में सभी के लिए एकजुट होकर बढ़ने और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत बनाने का समय है जो विविधता में एकता के विश्वास को परिलक्षित करता है। राष्ट्रपति कोविंद ने वर्ष 2021 की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा, ''मैं भारत और विदेशों में रहने वाले सभी नागरिकों को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।'' उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष हमें नयी शुरुआत करने और व्यक्तिगत एवं सामूहिक विकास के संकल्प पर जोर देने का अवसर प्रदान करता है।

शिवसेना का केंद्र सरकार से आग्रह, चीन में फंसे 39 नाविकों को वापस लाया जाए

मुंबई। शिवसेना ने बृहस्पतिवार को केंद्र से चीनी जल क्षेत्र में फंसे 39 भारतीय नाविकों को वापस लाने का आग्रह किया। पार्टी प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर यह आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार से समर्थन ना मिलने के कारण 39 नाविकों को उनके भाग्य पर छोड़ दिया गया है और उनके परिवार वाले उनकी वापसी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नाविकों के परिवार दर-दर भटक रहे हैं और कोई भी उनकी मदद नहीं कर रहा है, उनमें से कई नाविक महाराष्ट्र के हैं।फ गौरतलब है कि 39 भारतीयों सहित दो मालवाहक जहाजों-एमवी अनास्तासिया और एमवी जग आनंद चीनी जल क्षेत्र में फंस गए हैं क्योंकि उन्हेंवहां अपना सामान उतारने की अनुमति नहीं थी।

कांग्रेस ने दिल्ली सरकार की 'बायो डीकम्पोजर' पहल में घोटाले का लगाया आरोप

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार की ओर से पराली नष्ट करने के मकसद से 'पूसा बायो डीकम्पोजर' (एक तरह का घोल) के छिड़काव और किसानों को इसके कैप्सूल बांटे जाने की कवायद में 'घोटाला' हुआ है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि इस पूरे मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। कांग्रेस के आरोप पर आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल सरकार की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खेड़ा ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह केजरीवाल भी कांग्रेस के खिलाफ दुष्प्रचार करके सत्ता में आए। केजरीवाल ने सत्ता में आने के बाद सिर्फ झूठे विज्ञापनों पर करोड़ रुपये खर्च किए। केजरीवाल के लिये यह फैशन बन गया है कि किस तरह अपनी जिम्मेदारी से बचकर भागना है।

साल 2020 में राजनीतिक अशांति, महामारी और प्राकृतिक आपदा से जूझता रहा पश्चिम बंगाल

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के लिए वर्ष 2020 राजनीतिक अशांति, महामारी और प्राकृतिक आपदा का वर्ष रहा। राज्य में हालांकि, कोविड-19 और भीषण चक्रवात के मुकाबले राजनीतिक हलचल व तृणमूल कांग्रेस तथा भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच संघर्ष की खबरें अधिक सुर्खियों में रहीं। राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने जहां पूरी ताकत झोंक दी है, वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस भी उसे रोकने के लिए वार-प्रतिवार करती नजर आई। राजनीतिक हिंसा ने राज्य को राष्ट्रीय सुर्खियों में ला खड़ा किया। भाजपा ने दावा किया कि 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से राजनीतिक हिंसा में उसके 130 से अधिक कार्यकर्ता मारे गए या रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाए गए। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा नीत केंद्र सरकार सालभर एक-दूसरे से टकराती रहीं। राज्य में राजनीतिक हिंसा इस स्तर तक जा पहुंची कि दिसंबर के शुरू में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा के काफिले पर तब हमला हुआ जब वह पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करने दक्षिण 24 परगना के डायमंड हार्बर जा रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नड्डा की सुरक्षा में कथित ढिलाई को लेकर राज्य में पदस्थ तीन आईपीएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर आने को कहा जिस पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केंद्र से भिड़ गईं। नड्डा के काफिले पर हुए हमले में कई भाजपा नेता घायल हो गए। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के दिग्गज नेता अमित शाह ने राज्य में कानून व्यवस्था की ''बिगड़ती'' स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला और भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अपने केंद्रीय नेताओं को पश्चिम बंगाल में उतार दिया। शाह ने राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से 200 से ज्यादा सीट जीतने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की घोषणा की। इस पर तृणमूल कांग्रेस के सलाहकार एवं चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा को दहाई अंक में सीट हासिल करने के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा।

भाजपा के आक्रामक 'हिन्दुत्व' अभियान के जवाब में बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस ने 'बंगाली गौरव' अभियान की घोषणा की। भगवा दल ने राज्य के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता रबींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद और ईश्वर चंद्र विद्यासागर जैसी बंगाली हस्तियों के नाम का बढ़-चढ़कर इस्तेमाल शुरू कर दिया। पहली बार 2011 में सत्ता में आई तृणमूल कांग्रेस को इस साल बगावत का सामना करना पड़ा और सुवेंदु अधिकारी जैसे दिग्गज नेता सहित इसके कई विधायक और सांसद भाजपा में शामिल हो गए। इस पर तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि अब ''पार्टी द्रोहियों'' से मुक्त हो गई है। तृणमूल कांग्रेस से पराजय का दंश झेल चुके वाम दल और कांग्रेस भी सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ एकजुट खड़े नजर आए।

राज्य में वर्ष 2020 की शुरुआत संशोधित नागरिकता कानून विरोधी प्रदर्शनों के साथ हुई और 2021 के विधानसभा चुनाव में इस मुद्दे के प्रमुखता से उठने की उम्मीद है। भाजपा को आशंका है कि विपक्षी दलों के विरोध की वजह से संशोधित नागरिकता कानून को लागू करने में विलंब के चलते शरणार्थियों के वोट, खासकर मटुआ समुदाय के वोट इसके खिलाफ जा सकते हैं। इस बीच, उत्तर बंगाल में भाजपा को तब झटका लगा जब फरार गोरखा नेता बिमल गुरुंग के नेतृत्व वाले जीजेएम के गुट ने भाजपा नीत राजग को छोड़कर तृणमूल कांग्रेस से हाथ मिला लिया। 2019 में भगवा दल को इस क्षेत्र की आठ में से सात लोकसभा सीटों पर जीत मिली थी। तीन साल से छिपे हुए गुरुंग दार्जीलिंग लौट आए और उत्तर बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की जीत सुनिश्चित कर भाजपा को सबक सिखाने की घोषणा की। इस क्षेत्र में उनका कम से कम 20 विधानसभा सीटों पर प्रभाव है।

बंगाल ने इस साल कोविड-19 का प्रकोप भी झेला और देश में सामने आए संक्रमण के कुल मामलों में से 19 प्रतिशत तथा देश में इस बीमारी की वजह से हुई मौतों के मामलों में से 15 प्रतिशत मामले इस राज्य से रहे। महामारी की स्थिति के आकलन के लिए केंद्रीय टीमों के दौरे पर राज्य और केंद्र के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। बंगाल को भी राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की वजह से प्रवासी मजदूरों के लौटने की समस्या का भी सामना करना पड़ा। राजभवन और राज्य सरकार के बीच पूरे साल तकरार चलती रही तथा सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने

राज्यपाल पर समानांतर सरकार चलाने का आरोप लगाया। सितंबर के महीने में राज्य के मुर्शिदाबाद जिले से खूंखार आतंकी संगठन अलकायदा के कई संदिग्धों के पकड़े जाने से सुरक्षा संबंधी चिंता भी बढ़ी। राज्य में इस साल आए चक्रवात 'अंफान' की वजह से लगभग 100 लोगों की मौत हो गई, सैकड़ों लोग बेघर हो गए और बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। राज्य में विधानसभा चुनाव में अब छह महीने से भी कम समय बचा है और ममता बनर्जी ने लोगों तक पहुंच बनाने के लिए 'दुआरे सरकार' अभियान शुरू किया है।

किसान आंदोलन के बीच हरियाणा में भाजपा-जजपा गठबंधन को बड़ा झटका, निकाय चुनाव में मिली करारी शिकस्त

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देशभर में एक ओर हर चुनाव में भाजपा लगातार अच्छे प्रदर्शन कर रही है वहीं सत्ता में काबिज हरियाणा से उसके लिए बुरी खबर आई है। हरियाणा में बुधवार को 27 दिसंबर को हुए निकाय चुनाव के नतीजे घोषित किए गए। नतीजों से भाजपा-जजपा गठबंधन को बड़ा झटका लगा है। अगर कहा जाए कि 3 नगर निकाय चुनाव में इस गठबंधन को करारी शिकस्त मिली है तो इसमें कोई दो राय नहीं होगी। इस चुनाव में सोनीपत, पंचकूला और अंबाला नगर निगम मेयर पद के लिए पहली बार सीधे तौर पर वोट डाले गए थे। इन तीनों ही सीटों में से सिर्फ एक सीट ही सत्तारूढ़ भाजपा गठबंधन जीत पाई है जबकि एक सीट कांग्रेस के खाते में गई है। वहीं एक सीट पर हरियाणा जन चेतना पार्टी का कब्जा हुआ है।

पंचकूला में भाजपा तो कांग्रेस ने सोनीपत मेयर की कुर्सी पर कब्जा किया है। अंबाला नगर निगम मेयर सीट पर हरियाणा जन चेतना पार्टी की विजय हुई है। सबसे निराशाजनक प्रदर्शन जजपा की हुई है जो इस वक्त भाजपा के साथ गठबंधन में है। तीन नगर निगम मेयर पद चुनाव के अलावा तीन नगर पालिका और एक नगर परिषद पर भी चुनाव हुए थे। पंचकूला के अलावा भाजपा को रेवाड़ी में नगर परिषद प्रेसिडेंट पद पर जीत मिली है। बाकी के 5 जगहों पर भाजपा-जजपा गठबंधन को कांग्रेस और अन्य दलों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। अंबाला को भाजपा का गढ़ माना जाता है लेकिन वहां भी वह मेयर पद का चुनाव नहीं जीत पाई। ज्यादातर भाजपा-जजपा गठबंधन के उम्मीदवार निर्दलीय और कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों से चुनाव हार गए।

बात करें सांपला नगर निगम चेयरमैन की तो यहां कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार की जीत हुई है। धारूहेड़ा नगर पालिका चेयरमैन की बात करें तो यहां निर्दलीय ने चुनाव जीता है। वहीं, उकलाना नगर पालिका चेयरमैन पद पर भी निर्दलीय का कब्जा हुआ है। रेवाड़ी नगर परिषद प्रेसिडेंट पर भाजपा ने जीत हासिल की है। अंबाला नगर निगम मेयर पद पर कांग्रेस जन चेतना पार्टी ने जीत हासिल की है। सोनीपत नगर निगम मेयर पद पर कांग्रेस की जीत हुई है जबकि पंचकूला नगर निगम मेयर पद पर बीजेपी ने बाजी मारी है। सबसे खास बात तो यह है कि उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी को अपने ही गढ़ हिसार के उकलाना और रेवाड़ी के धारूहेड़ा में हार हुई है। आपको बता दें कि हरियाणा में यह चुनाव ऐसे वक्त में हुआ है जब यहां के किसान केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ सड़क पर है।

हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में भाजपा-जजपा गठबंधन की सरकार है। माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ गठबंधन को इस चुनाव में इसलिए हार का सामना करना पड़ा क्योंकि किसान नाराज है। यहां के आम जनता भी किसानों के साथ है। जजपा के भाजपा के साथ बने रहने का भी असर इस चुनाव में देखने को मिला है। हरियाणा के कई इलाकों में तो जजपा के प्रत्याशियों का बॉयकॉट तक किया गया है। देखना होगा कि यहां से हरियाणा की राजनीति किस ओर जाती है। 2 साल पहले हरियाणा के 5 शहरों में महापौर चुनाव में भाजपा को जीत मिली थी। 2018 में भाजपा ने हिसार, करनाल, पानीपत, रोहतक और यमुनानगर में महापौर के चुनाव जीते थे।

योगी आदित्यनाथ का ऐलान, किसानों की आमदनी दोगुनी करने की मुहिम छह जनवरी से होगी शुरू

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से किसान कल्याण तथा कृषकों की आमदनी दोगुनी करने का अभियान छह जनवरी 2021 से शुरू होगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक मुख्यमंत्री ने एक उच्च स्तरीय बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य में विभिन्न गतिविधियों के जरिए किसान कल्याण और काश्तकारों की आमदनी दोगुनी करने की मुहिम आगामी छह जनवरी से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि इसके अन्तर्गत प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड पर कृषि व किसान कल्याण पर केन्द्रित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में शासन द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही करते हुए किसानों को लाभान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण मिशन के तहत हर विकास खण्ड में गोष्ठी/प्रदर्शनी/मेले का आयोजन आगामी 06 जनवरी से प्रारम्भ करते हुए अगले तीन सप्ताह में किया जाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सप्ताह बुधवार को जनपद के प्रत्येक ग्रामीण क्षेत्रों से आच्छादित होने वाले विधानसभा क्षेत्रों में एक विकास खण्ड में इसका आयोजन किया जाए।

उन्होंने कहा कि यह क्रम तब तक चलता रहेगा, जब तक सारे विकास खण्ड आच्छादित नहीं हो जाते। योगी ने कहा कि किसान कल्याण मिशन के तीन मुख्य भाग होंगे। उन्होंने कहा कि इसके अन्तर्गत कृषि एवं सहवर्ती सेक्टर की वृहद प्रदर्शनी आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि इस दौरान विभिन्न कृषि तकनीकों के प्रदर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

ब्रिटेन से दिल्ली लौटे 38 लोग कोरोना संक्रमित, चार लोगों में मिला वायरस का नया स्ट्रेन : सत्येंद्र जैन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

ब्रिटेन से हाल में दिल्ली लौटे चार लोगों के कोरोना वायरस के नए प्रकार (स्ट्रेन) से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। यह जानकारी दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बृहस्पतिवार को दी। संवाददाताओं से बातचीत करते हुए जैन ने कहा कि ब्रिटेन से दिल्ली आए कुल 38 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और उन्हें लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल परिसर में अलग संस्थागत पृथकवास में रखा गया है। उन्होंने बताया, ''चार ऐसे मरीज हैं जिनके, ब्रिटेन में मिले कोरोना वायरस के नए प्रकार से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उनके संपर्क में आए लोगों का पता लगाकर उनकी जांच की जा चुकी है और उनमें संक्रमण नहीं मिला है। इस तरह दिल्ली में वायरस के नए प्रकार से संक्रमित यही चार मरीज हैं।'' जैन ने कहा, ''उड़ानों पर रोक लग चुकी है जो लोग पहले आ गए थे उनका पता लगाया जा रहा है और तेजी से जांच की जा रही है।'' प्राधिकारियों ने बताया कि कि बुधवार को दिल्ली में कोविड-19 के 677 नए मामले सामने आए जबकि 21 और मरीजों की मौत हुई। वहीं दिल्ली में संक्रमण दर गिरकर महज 0.8 प्रतिशत रह गई है। जैन ने कहा, ''संक्रमण की दर सात नवंबर के 15.26 प्रतिशत से गिरकर 0.8 प्रतिशत पर आ गई है। करीब 85 प्रतिशत बिस्तर खाली हैं, स्थिति में बहुत सुधार आया है। इसलिए एलएनजेपी और जीटीबी अस्पताल को आंशिक रूप से कोविड-19 मरीजों के लिए रखने का फैसला किया गया है। जल्द ही इनमें ओपीडी सहित बाकी सेवाएं क्रमवार तरीके से शुरू होंगी।'' टीकाकरण की तैयारियों के बारे में उन्होंने बताया कि एक हजार टीकारण केंद्रों की स्थापना की गई है।

डीसीजीआई ने दिया संकेत, देश में नए साल में आ सकता है कोविड-19 का टीका

नयी दिल्ली। भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) वी.जी. सोमानी ने बृहस्पतिवार को इस बात का संकेत दिया कि भारत में नये साल में कोविड-19 का टीका आ सकता है। सोमानी ने यहां एक डिजिटल संगोष्ठी में कहा कि सबसे महत्वपूर्ण है कि उद्योग और अनुसंधान संगठन समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। उन्होंने कहा कि टीका विकसित करने पर काम कर रही इकाइयों को धन उपलब्ध कराया गया। सोमानी ने जैव-प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से किए गए प्रयासों का उल्लेख किया और कहा, ''संभवतः नव वर्ष बहुत शुभ होगा जिसमें हमारे हाथ में कुछ होगा। फिलहाल मैं यही संकेत दे सकता हूं।'' उल्लेखनीय है कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, भारत बायोटेक और फाइजर ने डीसीजीआई के समक्ष आवेदन दिया है कि उनके टीके के आपात स्थिति में उपयोग की अनुमति प्रदान की जाए। ये कंपनियां अनुमति मिलने की प्रतीक्षा कर रही हैं। सोमानी के मुताबिक, महामारी के मद्देनजर आवेदकों को अनुमति प्रद्रान करने की पक्रिया तेजी से चल रही है तथा साथ ही पूरे डाटा की प्रतीक्षा किए बिना ही पहले और दूसरे चरण के परीक्षणों को अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा, ''डाटा की सुरक्षा या इसके कारगर होने के संदर्भ में कोई समझौता नहीं किया गया है। सिर्फ यह बात है कि नियामक ने आंशिक डाटा को स्वीकार किया है।'' केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के विशेषज्ञों की समिति ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के कोविड-19 टीके के आपात इस्तेमाल की अनुमति देने के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के आग्रह और 'कोवैक्सीन' के आपात इस्तेमाल को अनुमति देने के भारत बायोटेक के आग्रह पर विचार करने के लिए बुधवार को बैठक की तथा अब यह समिति एक जनवरी को फिर से बैठक करेगी।

बीएस येदियुरप्पा ने नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को किया खारिज, बोले- पूरा करुंगा अपना कार्यकाल

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि वह दो साल से अधिक की शेष अवधि तक पद पर बने रहेंगे, अपना कार्यकाल पूरा करेंगे और सत्तारूढ़ भाजपा के भीतर इसको लेकर कोई भ्रम नहीं है। येदियुरप्पा ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और कोविड-19 महामारी के साथ पिछला एक वर्ष उनकी सरकार के लिए एक ''अग्नि परीक्षा'' जैसा था। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की इच्छा देश के विकास मानचित्र पर कर्नाटक को पहले स्थान पर ले जाने की है। उन्होंने राज्य के सामने आई वित्तीय बाधाओं का भी उल्लेख किया।

नेतृत्व परिवर्तन और सरकार पर इसके प्रभाव के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में येदियुरप्पा ने कहा कि मेरी सरकार के पिछले डेढ़ साल में एक दिन के लिए भी मैंने इसकी चिंता नहीं की। मेरा ध्यान अपने काम और विकास पर केंद्रित है। इन बातों का कोई असर नहीं हुआ। इससे पहले भाजपा महासचिव व राज्य के प्रभारी अरुण सिंह ने स्पष्ट किया कि अगले ढाई साल तक कोई समस्या नहीं है और येदियुरप्पा मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने कहा, हमारे मंत्रियों या विधायकों और लोगों के बीच कोई भ्रम नहीं है। यदि भ्रम है, तो यह मीडिया के दोस्तों के बीच है। अगर आप सहयोग करेंगे तो सब ठीक हो जाएगा।

येदियुरप्पा की आयु (77 वर्ष) को देखते हुए ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा आलाकमान आने वाले दिनों में कर्नाटक में नेतृत्व में बदलाव कर सकता है। हालांकि प्रदेश भाजपा ने इस तरह की अटकलों को खारिज किया है, लेकिन पार्टी के भीतर कुछ विधायकों ने अपने बयानों से इस बात को हवा दी है। भाजपा विधायकों के खुले तौर पर बयान देने और उनके द्वारा असहमति व्यक्त करने वाले पत्र लिखे जाने के बारे में पूछे जाने पर, येदियुरप्पा ने कहा कि इतने सारे विधायकों में से एक या दो ने कुछ बयान दिए होंगे।

उन्होंने कहा कि उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए, मैं अपने सभी विधायकों के साथ बैठक करूंगा। राज्य और इसकी अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव का उल्लेख करते हुए, मुख्यमंत्री, जो वित्त विभाग भी संभालते हैं, ने कहा, ÷हमें 25,000 से 30,000 करोड़ रुपये के वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ सकता है और अगले बजट में भी हमें इस समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

डीजीपी दिलबाग सिंह ने बताया कैसा रहा जम्मू-कश्मीर के लिए साल 2020, आतंकवादी घटनाओं में आई कमी

जम्मू। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में वर्ष-2020 के दौरान घुसपैठ, आतंकवादी घटनाओं और आम नागरिकों के मारे जाने की घटनाओं में कमी आई है औरइस अवधि में सुरक्षा बलों ने सफल आतंकवाद रोधी अभियानों में 225 आतंकवादियों को मार गिराया। यह जानकारी जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां आयोजित वार्षिक प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने कहा, ''हमने जम्मू-कश्मीर में 100 से अधिक सफल अभियानों को अंजाम दिया। इनमें से 90 कश्मीर में और 13 जम्मू क्षेत्र में थे। इस दौरान कुल 225 आतंकवादियों को मार गिराया गया जिनमें से 207 कश्मीर घाटी में और 18 आतंकवादी जम्मू क्षेत्र में मारे गए।''

सिंह ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में 47 विभिन्न संगठनों के शीर्ष कमांडर थे। उन्होंने कहा, ''आज, विभिन्न आतंकवादी संगठनों के शीर्ष कमांडरों को मार गिराया गया है।'' डीजीपी ने बताया कि वर्ष 2020 में जम्मू-कश्मीर पुलिस के 16 जवान (15 कश्मीर में और एक जम्मू में) और सुरक्षा बलों के 44 जवान (42 कश्मीर में और दो जम्मू में) आतंकवादियों के साथ लड़ते हुए शहीद हुए। सिंह ने बताया कि पुलिस और सुरक्षाबलों ने आतंकवादी संगठनों के लिए काम करने वाले लोगों (ओवर ग्राउंड वर्कर)की भी धरपकड़ की जो हथगोला फेंकने या संदेश और कुरियर पहुंचाने का काम करते थे।

उन्होंने बताया, ''आतंकवादी संगठनों के लिए काम करने वाले 653 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 56 के खिलाफ जनसुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।'' सिंह ने बताया कि इस साल 299 आतंकवादियों और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया जबकि 12 आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस प्रमुख ने बताया कि इस साल 426 हथियार, 9,000 से अधिक कारतूस एवं मैगजीन तथा विस्फोटकों का जखीरा आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि इस साल आतंकवादियों के हाथों आम नगारिकों के मारे जाने की घटनाओं में कमी आई और 38 लोगों की जान गई है जबकि पिछले साल इस तरह 44 लोगों ने जान गंवाई थी।

सिंह ने कहा, हालांकि इस साल आतंकवादियों की भर्ती में थोड़ी वृद्धि हुई है ''लेकिन 70 प्रतिशत को या तो मार गिराया गया या तो वे आतंकवादी संगठन छोड़कर वापस आ गए। नए भर्ती आतंकवादियों में से 46 को गिरफ्तार किया गया जबकि 76 मारे गए।'' उन्होंने कहा कि घुसपैठ रोधी पहल की वजह से घुसपैठ में भी बड़े पैमाने पर कमी आई है। सिंह ने कहा कि पाकिस्तान जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद को बढ़ाना चाहता है और साप्रदायिक समस्या उत्पन्न करना चाहता है। उन्होंने कहा, ''जम्मू क्षेत्र में करीब एक दर्जन आतंकवादी सक्रिय थे लेकिन अब उनकी संख्या तीन रह गई है। वे किश्तवाड़ जिले में है और हम उनका पता लगा रहे हैं।'' डीजीपी ने कहा कि पाकिस्तान की तमाम कोशिशों के बावजूद इस साल घुसपैठ के मामले गत

तीन साल में सबसे कम रहे।

उन्होंने कहा, ''इसलिए अब वे (पाकिस्तान) स्थानीय आतंकवादियों की भर्ती पर आश्रित हैं और उन्हें हथियार, विस्फोटक एवं नगदी की आपूर्ति ड्रोन के जरिये करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन ऐसी अधिकतर कोशिशें नाकाम की गई हैं।'' सिंह ने कहा कि सबसे अच्छी बात यह है कि स्थानीय युवाओं के आतंकवादी संगठनों से जुड़ने की प्रवृत्ति कम हो रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)